website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 105 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 25 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

दो जहाजों ने होर्मुज किया पार, भारतीय टैंकरों का आना शुरू

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए राहत की खबर सामने आ रही है। शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत ने होर्मुज को सुरक्षित पार कर लिया है। सोमवार दोपहर ये दोनों जहाज ईरान के लारक और केश्म द्वीपों के बीच देखे गए, जहां वे संभवतः ईरानी अधिकारियों को अपनी पहचान स्पष्ट कर रहे थे। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय जहाजों में शामिल थे, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण लगभग बंद हो चुके होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हुए थे। यह जलमार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और खाड़ी देशों से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है।

जहाज 92,712 टन एलपीजी लेकर आए

इससे पहले भी भारत के कुछ जहाज सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं। एलपीजी टैंकर एमटी शिवालिक 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा, जबकि एमटी नंदा देवी 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पहुंची। दोनों जहाज करीब 92,712 टन एलपीजी लेकर आए थे, जो देश की लगभग एक दिन की घरेलू गैस खपत के बराबर है। इसी क्रम में जग लाडकी नामक भारतीय तेल टैंकर, जो यूएई से 80,886 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा था, 18 मार्च को मुंद्रा पहुंच गया। वहीं जग प्रकाश नामक टैंकर ओमान से पेट्रोल लेकर अफ्रीका के लिए सुरक्षित रूप से हॉर्मुज पार कर चुका है और तंजानिया की ओर बढ़ रहा है।

24 में से 22 जहाज पश्चिमी हिस्से में फंसे

युद्ध की शुरुआत में कुल 28 भारतीय जहाज इस क्षेत्र में मौजूद थे, जिनमें 24 जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से और चार पूर्वी हिस्से में थे। बीते दिनों दोनों ओर से दो-दो जहाज सुरक्षित निकल चुके हैं, लेकिन अभी भी 24 में से 22 जहाज पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं, जिन पर 611 नाविक सवार हैं, जबकि दो जहाज पूर्वी हिस्से में हैं। फंसे हुए जहाजों में विविध प्रकार के पोत शामिल हैं छह एलपीजी टैंकर (जिनमें से दो अब रवाना हो चुके हैं), एक एलएनजी टैंकर, चार कच्चा तेल टैंकर, एक केमिकल टैंकर, तीन कंटेनर जहाज, दो बल्क कैरियर, एक ड्रेजर, एक खाली जहाज और तीन जहाज ड्राई डॉक में मरम्मत के लिए हैं। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। करीब 500 टैंकर अभी भी पर्शियन (अरब) गल्फ में फंसे हुए हैं, जिनमें 108 कच्चे तेल के टैंकर, 166 ऑयल प्रोडक्ट टैंकर, 104 केमिकल/प्रोडक्ट टैंकर, 52 केमिकल टैंकर और 53 अन्य प्रकार के टैंकर शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान कुछ जहाजों को सत्यापन प्रक्रिया के बाद ही हॉर्मुज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। इसके तहत जहाजों की मालिकी, कार्गो और गंतव्य की जांच की जा रही है। कुछ जहाज लारक-केश्म चैनल के रास्ते हल्का मार्ग बदलकर भी निकल रहे हैं, जो इस सत्यापन प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण है होर्मुज

भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बेहद अहम है। देश अपनी जरूरत का करीब 88 फीसदी कच्चा तेल, 50 फीसदी प्राकृतिक गैस और 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है। युद्ध से पहले भारत के आधे से ज्यादा कच्चे तेल का आयात सऊदी अरब, इराक और यूएई जैसे खाड़ी देशों से होता था, जो इसी मार्ग पर निर्भर हैं। हालांकि कच्चे तेल की आपूर्ति को रूस, अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से कुछ हद तक संतुलित किया गया है, लेकिन गैस और एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसका असर औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं पर साफ दिख रहा है।

यूरोप में हलचल तेज, बैठक में ही लगने लगे आरोप

रूस के नाम पर नाटो में कलह, हंगरी पर जासूसी का आरोप

एआई इमेज

यूरोपियन यूनियन के देशों में रूस के चलते मतभेद पैदा हो गए हैं। यूरोपियन यूनियन को आशंका है कि हंगरी की ओर से संवेदनशील जानकारियां रूस को लीक की जा रही हैं। इसके चलते हंगरी से यूरोपीय संघ के दूसरे देश दूरी बरत रहे हैं। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ, जब पोलैंड के प्राइम मिनिस्टर डोनाल्ड टस्क ने आशंका जताई कि हंगरी की विक्टर ओरबान की सरकार की ओर से जरूरी जानकारियां रूस के साथ शेयर की जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय संघ ने ऐसी आशंकाओं को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन संघ के दूसरे देश चुपचाप ही दूरी बरतने में जुटे हैं। हंगरी की सरकार का कहना है कि यह पूरा मामला उनके देश में होने वाले चुनाव से जुड़ा है। हंगरी में 12 अप्रैल को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। पोलैंड के प्राइम मिनिस्टर डोनाल्ड टस्क ने कहा, यह खबर आना कि ओरबान के लोग मॉस्को के साथ जानकारी शेयर कर रहे हैं। इसमें कुछ भी आश्चर्य नहीं है। ऐसा संभव है कि यूरोपियन यूनियन की बैठकों के बारे में जानकारी मॉस्को को दी जा रही हो।' डोनाल्ड टस्क के इस दावे पर हंगरी इसलिए सवाल उठा रहा है क्योंकि उसका कहना है कि पोलैंड के पीएम उनके यहां के विपक्षी नेताओं का समर्थन करते हैं। यही नहीं डोनाल्ड टस्क ने जवाब देते हुए यहां तक कहा कि हमें तो उनकी ही मंशा पर संदेह है। दरअसल इस मामले ने जोर तब पकड़ा, जब शनिवार को वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ओरबान की सरकार के मॉस्को के साथ करीबी संबंध हैं। यही नहीं दावा किया गया कि हंगरी के विदेश मंत्री पीटर जिजारतो अकसर यूरोपियन यूनियन की मीटिंग्स में ब्रेक लिया करते थे। इस दौरान समय निकालकर वह रूस के विदेश मंत्री सेरजेई लावरोव से बात करते थे।

55 साल का सबसे बड़ा तेल संकटः आईईए चीफ

दुनिया में चल रहे दो युद्धों ने 55 साल का सबसे बड़ा तेल संकट पैदा कर दिया है। इन युद्धों के चलते एक ऐसा मर्ज आ गया है, जिसका कोई इलाज नहीं है। यह बात अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कही। बिरोल ने कहा कि पश्चिम एशिया का यह संकट 1970 के दशक के दो तेल संकटों और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गैस बाजारों पर पड़े प्रभाव से भी अधिक गंभीर असर डाल रहा है।

नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर असर

बिरोल ने बताया कि इस पूरे क्षेत्र में नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह यूरोप और एशिया की सरकारों के साथ तेल भंडार को मुहैया करने की संभावना पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम बाजार की स्थिति पर नजर रखेंगे। अगर आवश्यकता पड़ी, तो हम निश्चित रूप से कदम उठाएंगे, लेकिन पहले हम हालात का विश्लेषण करेंगे और सदस्य देशों के साथ चर्चा करेंगे।

ईरान युद्ध के बीच मोसाद चीफ से नाराज हैं नेतन्याहू, रिपोर्ट पर बिगड़ी बात

पश्चिम एशिया की जंग लगातार उलझती जा रही है। कुछ दिनों में ईरान की सत्ता परिवर्तन का सपना देखकर युद्ध में कूदे इजराइल और अमेरिका अब मदद के लिए दूसरे देशों की तरफ देख रहे हैं। इसी बीच दावा किया जा रहा है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख से नाराज चल रहे हैं। दरअसल, युद्ध शुरू करने से पहले मोसाद चीफ ने नेतन्याहू को एक रिपोर्ट दी थी कि अगर ईरान की सत्ता को कमजोर कर दिया जाता है, तो वहां दंगा भड़काकर इस्लामिक सत्ता को पलटा जा सकता है। लेकिन अब तीन हफ्ते बाद भी ऐसा संभव नहीं हो पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक मोसाद की तरफ से रखी गई इस रिपोर्ट के आधार पर ही नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मिलकर ईरान पर हमला करने की योजना तैयार की थी। दोनों राष्ट्राध्यक्षों को यह रिपोर्ट इसलिए भी सही लगी थी क्योंकि उस समय तक ईरान में खामेनेई के खिलाफ बड़े आंदोलन हो चुके थे। इजराइली अखबार के मुताबिक, मोसाद की तरफ से इस रिपोर्ट को लेकर खुद मोसाद चीफ डेविड बार्निया नेतन्याहू के पास पहुंचे थे, इसमें दावा किया गया था कि ईरान के शीर्ष नेताओं को खत्म करने के बाद एजेंसी दंगों और विरोध प्रदर्शनों को भड़काकर बड़े पैमाने पर अस्थिरता पैदा कर सकती है। यह योजना व्हाइट हाउस को भी बताई गई थी। पिछले सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक सीआईए ने भी इस रिपोर्ट पर अपनी सहमति दी थी। इसके बाद भी 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया। रिपोर्ट के आधार पर ही राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले ही भाषण में ईरान की जनता को संबोधित करते हुए कानून को अपने हाथ में लेकर सड़कों पर उतरने का आह्वान किया, नेतन्याहू ने भी ईरान की जनता को इस्लामिक सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए कहा। हालांकि, बड़े हमलों के बाद भी ईरान में कोई आंदोलन नहीं हुआ। अब अमेरिकी और इजराइली अधिकारी भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं, कि सत्ता परिवर्तन करना इतना आसान नहीं है। दोनों देश ईरान के कमजोर होने की संभावना पर चल रहे थे, लेकिन वह और मजबूत होकर सामने आया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान के भीतर अलग-अलग धार्मिक गुटों में टकराव हो सकता है, लेकिन उससे लोकतांत्रिक सरकार बनने की संभावना बहुत कम है। साथ ही, कुर्द मिलिशिया के सहयोग से सरकार गिराने की उम्मीद भी पूरी नहीं हुई। अब, जबकि तीन हफ्ते बाद भी ऐसा कोई बड़ा आंदोलन खड़ा नहीं हुआ है।

खबर संक्षेप

नेपाल के बाझंग में 4.1 तीव्रता का आया भूकंप

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में सोमवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 4.1 मापी गयी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सोमवार को दोपहर 1:14 बजे झटके लगे। बाझंग के पड़ोसी जिले बाजुरा और बैताडी समेत पड़ोसी जिलों के निवासियों ने भी भूकंप का झटका महसूस किया।

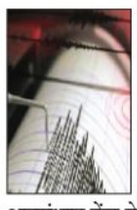

2,000 से अधिक लोग बिजली आपूर्ति से वंचित

होनोलूलू। हवाई द्वीप पर भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ के कारण रविवार अपराह्न तक 2,000 से अधिक लोग बिजली आपूर्ति से वंचित रहे। यह बाढ़ 20 से अधिक वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ बताई जा रही है। शीतकालीन तूफान की बारिश से पहले ही गीली मिट्टी पर वर्षा हुई जिससे उफनता पानी घरों और कई कारों को बहा ले गया।

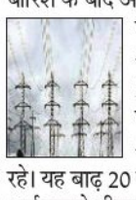

भारत में ऊर्जा संकट, आर्थिक संकट की आहट : कांग्रेस

नई दिल्ली

कांग्रेस ने पश्चिम एशिया संकट का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कायराना विदेश नीति और अमेरिका-इजराइल के सामने नतमस्तक होने के कारण भारत ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है, जिससे आर्थिक संकट का भी खतरा मंडरा रहा है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल से लौटने के 48 घंटे के भीतर इजराइल-अमेरिका ने भारत के पुराने दोस्त ईरान पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का हिमायती रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस युद्ध को गैर-कानूनी कहने की हिम्मत नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह ख़ामेनई की मृत्यु पर भी शोक व्यक्त नहीं किया।

पीएम पर किया कटाक्षः 'साहिब, बीबी और गुलाम' के पोस्टर के साथ गुरुदत्त की फ़िल्म के किरदारों का उल्लेख करते हुए खेड़ा ने कहा कि मोदी ने साहिब (डोनाल्ड ट्रंप) और बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू) के सामने गुलाम की तरह घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कुख्यात यौन अपराधी जेफ़री एपस्टीन से जुड़ी फाइल्स का जिक्र करते हुए पूछा कि अमेरिका के पास मोदी की ऐसी कौन सी खुफिया जानकारी है कि वे देशहित में सोचना भी बंद कर चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में पश्चिम एशिया संकट पर प्रधानमंत्री के संबोधन पर तंज कसते हुए कहा कि 23 दिन बाद साहिब और बीबी ने गुलाम को बोलने की अनुमति दी है।

हॉर्मुज भारत के लिए बन्द ?: स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जहां से 85 प्रतिशत गैस की आपूर्ति होती थी, वो रास्ता भारत के लिए बंद हो गया है, जबकि यह रूस और चीन के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि भारत के 37 जहाज, 1109 नाविक, 60 हजार मीट्रिक टन चावल और 10,000 करोड़ रु का सामान समुद्र में फंसा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान इस मार्ग से व्यापार के लिए भारत समेत आठ देशों से बातचीत कर रहा है, जो चीन की करेंसी युआन में भुगतान करेंगे। खेड़ा ने कहा कि भारत पहले ईरान से भारतीय करेंसी रुपये में तेल खरीदता था, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहता था। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री ने थोड़ी हिम्मत दिखाई होती और सही रुख अपनाया होता, तो होर्मुज स्ट्रेट भारत के लिए भी खुला रहता।

क्या हम श्रीलंका से भी कमजोर हो गए ? : खेड़ा ने कहा कि छोटा सा देश श्रीलंका अमेरिका को अपने बेस इस्तेमाल नहीं करने दे रहा, जबकि भारत जैसे बड़े देश के प्रधानमंत्री होने के बावजूद मोदी कुछ बोलने की हिम्मत ही नहीं जुटा पा रहे हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि कैसे भारत ने दो परमाणु निरीक्षण के समय और पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश युद्ध के दौरान तीन बार दृढ़ रुख अपनाया था और अमेरिका की आंखों में आंखें डालकर देखा था। उन्होंने कहा कि आज अगर ईरान भारत को कोई छूट दे रहा है, तो यह साफ तौर पर सरकार की वजह से नहीं, बल्कि ईरान के साथ खड़े भारतीय लोगों की वजह से है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पहले भी जीएसटी और कोरोना पर चेताया था, तब उनका मजाक उड़ाया गया। अब उन्होंने ऊर्जा एवं आर्थिक संकट को लेकर फिर से आगाह किया है।

48 लाख करोड़ डूबे, उद्योग तबाह

खेड़ा ने गंभीर आंकड़े पेश करते हुए बताया कि आज हर भारतीय नागरिक, किसान और व्यापारी संकट में है। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 50 प्रतिशत घरों में एलपीजी सिलेंडर की कमी है और बाजार में यह 5,000 रु तक में ब्लैक में बिक रहा है। छोटे-बड़े उद्योग और होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत 22 रु और प्रीमियम पेट्रोल की कीमत दो रु बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद कीमतों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस से प्राइस कैप हटने के बाद हवाई सफर भी महंगा होने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में 10 किलो गैस आपूर्ति करने की तैयारी हो रही है। उन्होंने बताया कि युद्ध के कारण कर्नाटक के लगभग 3,000 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग तबाह हो रहे हैं और 15,000 अन्य इकाइयों पर सीधा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले 23 दिनों में शेयर मार्केट में निवेशकों के 48 लाख करोड़ रुपये डूब चुके हैं।

लोकसभा में प्रधानमंत्री के भाषण पर जयराम रमेश का तीखा हमला

नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में सोमवार को दिए गए भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री का भाषण "आत्मप्रशंसा, कायरता और पक्षपातपूर्ण संवादबाज़ी" का उदाहरण था।

रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ईरान पर जारी अमेरिका-इज़राइल के हवाई हमलों की निंदा तक नहीं की। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाड़ी देशों और हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का हमला निश्चित रूप से अस्वीकार्य है, लेकिन किसी देश में सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से लगातार बमबारी भी उतनी ही गलत है।

आर्थिक मुद्दों पर भी कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर लगातार दावे कर रहे हैं, जबकि हाल ही में उनके ही पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने इस अवधि में विकास दर के "अधिक आकलन" की चेतावनी दी है। रमेश के अनुसार, प्रधानमंत्री इस "गंभीर और विश्वसनीय रिपोर्ट" पर चुप्पी साधे हुए हैं।

कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए रमेश ने केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया को "अत्यंत विफल" बताया। उन्होंने कहा कि देश आज भी उन भयावह दृश्यों को नहीं भूल सकता, जब लाखों प्रवासी मजदूर पैदल अपने घरों को लौटने को मजबूर हुए, ऑक्सीजन की कमी से हजारों लोगों की मौत हुई और करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए। जयराम ने उम्मीद जताई कि भविष्य में किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए सरकार पहले से बेहतर तैयारी करेगी।

मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय घायल

दुबई। अबूधाबी के अल शवामेख इलाके में हवा में मार गिराई गई मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय नागरिक मामूली रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हवाई रक्षा प्रणाली ने आती हुई मिसाइल पर हमला किया, जिसके बाद आपात टीमों ने कदम उठाया। इसके बाद मिसाइल का मलबा रिहाइशी इलाके पर गिर गया।

ईरान के द्वीपों पर अमेरिकी सैनिकों के कब्जे की बढ़ी आशंका

ईरान अमेरिका से चल रहा दो कदम आगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को ऊर्जा आपूर्ति के लिए फिर से खोलने की कोशिश कर रहा है, जो फारस की खाड़ी का संकरा प्रवेश द्वार है। इस मिशन को समर्थन देने के लिए अमेरिकी मरीन नौसैनिक ईरान के द्वीपों या उसके तटीय क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए उतर सकते हैं। ईरान की रक्षा परिषद ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर जमीनी आक्रमण हुआ, तो वह पूरे फारस की खाड़ी में समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछा सकता है। रक्षा परिषद का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब तेहरान में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि अमेरिकी मरीन नौसैनिक क्षेत्र में तैनात किए जा सकते हैं। रक्षा परिषद ने कहा, दुश्मन द्वारा ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने का कोई भी प्रयास स्वाभाविक रूप से और स्थापित सैन्य प्रथाओं के अनुसार फारस की खाड़ी और तटीय इलाकों में पहुंच के सभी मार्गों को बारूदी सुरंगों से भर देने का कारण बनेगा। ईरान ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उसके बिजली संयंत्रों पर बमबारी करने की अपनी धमकी पर अमल करते हैं, तो वह पूरे मध्य पूर्व में बिजली संयंत्रों पर हमला करेगा। तेहरान की इस धमकी से खाड़ी अरब देशों में बिजली और पानी दोनों की आपूर्ति खतरे में पड़ गई है, खासकर तब जब इन रेगिस्तानी देशों में बिजली संयंत्रों के साथ-साथ खारे पानी को मीठा करने वाले संयंत्र भी हैं, जो पीने के पानी की आपूर्ति के लिए बेहद जरूरी हैं। इस धमकी के बाद ईरान की अर्ध-सरकारी एजेंसी ने ऐसे संयंत्रों की एक सूची प्रकाशित की, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात का परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी शामिल है। पिछले दिन ईरान ने इजराइल के डिमोना को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं, जो उसके लंबे समय से संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए सबसे अहम केंद्र के पास स्थित है। हालांकि, हमले में इजराइली संयंत्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बता दें कि कि ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण नहीं छोड़ता है।

एआई इमेज

ईरान की अमेरिका को दो टूक, कहा- जमीनी हमला किया तो फारस की खाड़ी में बिछा देंगे बारूदी सुरंगें

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

युद्ध की तपिश से बचने की चुनौती

पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में आम लोगों की महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, बिजली, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी तरह के संभावित उपायों पर विचार किया गया। चूंकि पश्चिम एशिया में युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है, ऐसे में सरकार की ओर से देश भर में निर्बाध आपूर्ति, स्थिर लाजिस्टिक्स और कुशल वितरण सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना स्वाभाविक है। मोदी सरकार को आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए राज्यों से उपयुक्त समन्वय करना होगा। इसके साथ ही भारतीय वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए प्रयासों के साथ नए निर्यात गंतव्य विकसित करने होंगे।

पश्चिम एशिया में लंबे खिंचते युद्ध से दुनिया के साथ-साथ भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ती दिख रही हैं। हाल में गोल्डमैन सैक्स द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को 7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत किया गया है। आइसीआइसीआइ बैंक ने भारत के विकास दर अनुमान को 7.5 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसियों के मुताबिक कच्चे तेल के वैश्विक दाम बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने के कारण भारत के ऊर्जा आयात बिल में जबरदस्त उछाल की आशंका है। साथ ही निर्यात में कमी और महंगाई में तेजी संबंधी चुनौतियों के कारण भी भारतीय अर्थव्यवस्था की संतुलित स्थिति के सामने खतरा दिखाई दे रहा है।

ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच विस्तारित होते हुए युद्ध से देश के कई हिस्सों में रसोई गैस और कमर्शियल गैस सिलिंडरों की आपूर्ति में बाधा से परेशानियां बढ़ती दिख रही हैं। निर्यातकों की भी मुश्किलें बढ़ी हैं। सेंसेक्स में गिरावट और डालर की तुलना में रुपये के मूल्य में कमी का परिदृश्य भी सामने है। निवेशक भारतीय बाजार से अपना धन निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। युद्ध का प्रभाव भारत के वित्तीय बाजार पर भी पड़ने लगा है। निवेशकों की संपत्ति में गिरावट आई है और भारतीय कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) तेजी से घटा है।

इससे पहले ऐसी गिरावट कोविड के दौरान मार्च 2020 में देखी गई थी, पर युद्ध के ऐसे असर के बीच भी भारत की कुछ ऐसी प्रभावी आर्थिक अनुकूलताएं हैं, जो देश की विकास दर को भारी आघात से बचाने वाली हैं।

राज्यसभा चुनावों ने भाजपा को बनाया और भी 'शक्तिशाली': नीतीश और पवार के नामांकन में छिपी है दिल्ली की भावी राजनीति

- विपक्ष की दोधारी रणनीति विफल; बिहार, ओडिशा और हरियाणा में क्रॉस वोटिंग ने बिगाड़ा विपक्षी दलों का गणित, सहयोगियों पर बढ़ती निर्भरता ने बदली भाजपा की चाल

जयपुर/दिल्ली|रॉयल पत्रिका डेस्क हाल ही में संपन्न हुए राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव केवल उच्च सदन की सीटें भरने की प्रक्रिया मात्र नहीं थे, बल्कि वे भारतीय जनता पार्टी (BJP) की दूरगामी रणनीतिक जीत का एक बड़ा हिस्सा बनकर उभरे हैं। वरिष्ठ पत्रकार नीरजा चौधरी के विश्लेषण के अनुसार, हालांकि 37 सीटों में से 26 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, लेकिन अंततः यह पूरा चुनाव 'भाजपा का शो' बनकर रह गया। भाजपा ने अपनी जरूरत से ज्यादा सीटें हासिल कीं, जिसमें बिहार, ओडिशा और हरियाणा में हुई 'क्रॉस वोटिंग' ने बड़ी भूमिका निभाई और विपक्षी खेमे को सीधा नुकसान पहुँचाया।

नीतीश कुमार: पटना की गद्दी से दिल्ली की ओर 'सहमति' वाला प्रस्थान इस चुनाव का सबसे चौंकाने वाला पहलू बिहार के दिग्गज नेता नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन रहा।

नेतृत्व परिवर्तन का सपना: भाजपा लंबे समय से बिहार (पाटलिपुत्र) की सत्ता पर अपना पूर्ण अधिकार चाहती थी। 2025 के चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ने पर हिचकिचाहट के बावजूद भाजपा ने उन्हें सीएम बनाए रखा, क्योंकि उनके पास 85 के मुकाबले भाजपा के 89 विधायक थे।

ऐतिहासिक समझौता: भाजपा की सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि उसने नीतीश कुमार को उनकी 'सहमति' से मुख्यमंत्री पद छोड़ने और राज्यसभा जाने के लिए राजी कर लिया।

नया समीकरण: हालांकि नीतीश ने राज्यसभा जाने की इच्छा जताई है, लेकिन चर्चा यह भी है कि उनके बेटे निशांत को उपमुख्यमंत्री पद मिल सकता है, जो लोहिया और कर्पूरी ठाकुर के परिवारवाद विरोधी अनुयायी नीतीश के लिए एक बड़ा वैचारिक बदलाव होगा।

लोकसभा का गणित: सहयोगियों का बढ़ता महत्व भाजपा फिलहाल 240 सांसदों के साथ लोकसभा में अल्पमत में है और पूरी तरह अपने सहयोगियों पर निर्भर है।

जदयू की अहमियत: जदयू के 12 लोकसभा सांसद भाजपा के लिए संजीवनी के समान हैं। भाजपा यह सुनिश्चित करना चाहती है कि केंद्र में उसकी सत्ता के गणित को कोई खतरा न हो।

शरद पवार: भाजपा का 'सद्भावना' कार्ड और एमवीए की चिंता महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार का निर्विरोध निर्वाचन भाजपा की एक और सोची-समझी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

उम्मीदवार न उतारना: भाजपा ने पवार के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा, जबकि बिहार और ओडिशा में उसने विपक्ष को कड़ी चुनौती दी।

रिजर्व फोर्स: विशेषज्ञों का मानना है कि भाजपा को उम्मीद है कि शरद पवार की पार्टी के 8 लोकसभा सांसद भविष्य में जरूरत पड़ने पर 'रिजर्व फोर्स' की तरह एनडीए के काम आ सकते हैं।

विलय की सुगबुगाहट: महा विकास अघाड़ी (MVA) के भीतर इस बात को लेकर हलचल है कि शरद पवार भविष्य में अजीत पवार गुट के करीब जा सकते हैं या विलय की बातचीत फिर से शुरू हो सकती है।

"भाजपा की अपने उम्मीदवारों को सशक्त बनाने और विरोधियों को कमजोर करने की दोधारी रणनीति का मुकाबला करने में विपक्ष पूरी तरह विफल रहा है।" - नीरजा चौधरी, राजनीतिक विश्लेषक

कुल मिलाकर, राज्यसभा के इन परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा न केवल अपने सहयोगियों को साधने में सफल रही है, बल्कि उसने प्रमुख विपक्षी चेहरों के राजनीतिक भविष्य को भी अपनी सुविधा के अनुसार ढालने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है।

जल संरक्षण

डॉ. शंकरलाल शास्त्री

जल ही जीवन है, इसे बचाएं

जल है तो कल है। जल का ही दूसरा नाम जीवन भी है। प्रतिवर्ष जल दिवस के भी आयोजन होते हैं। चारों और बड़े-बड़े विज्ञापन छापे जाते हैं, जल दिवस के दिन जल बचाने की बात की जाती है पर क्या एक दिन के चिंतन और जागरूकता से हम कल के लिए जल बचा पाएँगे? प्रायः मैं अपने उद्बोधनों और लेखों में इस बात का उल्लेख करता आया हूँ कि घर में होने वाले हर मांगलिक कार्य में जल की पूजा की जाती है। यदि पिछले चार-पांच दशकों की बात करें तो स्मरण हो आते हैं वे दिन जब जलस्रोतों के थोड़े ही नीचे से जल बड़ी आसानी से उपलब्ध हो जाया करता था पर आज तो जल रसातल में भी रिक्त होते जा रहा है। धरती मां का यह अमृत का पर्याय कहा जाने वाला 'जल' हमारे प्राचीन वाड्मय में देव रूप में न केवल पूजा का आधार है बल्कि हर शुभ कार्य में इसकी पूजा का भी विधान है।

हम बचपन में अपने बड़ों के साथ अपने पैतृक गांव से क्रीब बीस - तीस किलोमीटर दूर की पैदल यात्रा करते थे। मुझे स्मरण है एक पुराना प्रसंग। जब मेरे गांव के एक मार्ग में रामपुरा की नदी आती। नदी के बीचों-बीच एक जलस्रोत यानी जलकूप बना था। वहाँ रस्सी से बंधी काठडी से पानी निकालते और सभी लोग पीनी पीते। चूँकि उस दौर में लगभग आठ-दस हाथ नीचे ही नदियों जैसे स्थलों में पानी होता था। पानी निकाल कर हाथ से दोनों हथेलियों को जोड़कर पानी पीते। पानी इतना मीठा और स्वादिष्ट होता कि पीते ही सारी थकान दूर हो जाती। वैज्ञानिक संदर्भों ने भी सिद्ध किया है कि जल हमारी थकावट को दूर कर देता है। इसी तरह एक गांव से दूसरे गांव को जाते। मार्ग में शिव मंदिर और जलकुंड होते। वहाँ भी ऐसे ही पानी निकालते मात्र दो-तीन हाथ नीचे ही पानी होता। पानी पीकर बरगद बाबा के नीचे विश्राम करते फिर अगले पड़ाव के लिए रवाना होते। आज वे जलस्रोत वीरान और सूखे पड़े हैं। पानी रसातल में गया।

जैसे सूक्तियां हमारा पथ-प्रदर्शन करती हैं किन्तु वे ही सूक्तियां यदि नकारात्मकता की दृष्टि से लिखी जाएं तो वे जनमानस को निराश ही करती हैं ठीक वैसे ही जल ही हमारा कल है किन्तु यदि इसका अनावश्यक दोहन किया जाए तो यह देश के लिए घातक है। विश्व जल दिवस के मौके पर ही प्राचीन जल स्रोतों को देखने और जल स्रोतों को बचाने के लिए हम अपने पैतृक गाँव कुशालीराम ,किशोरपुरा के लिए निकल पड़े। जहाँ अपना बचपन बिताया था जिन जल स्रोतों का पानी पीकर हम बड़े हुए। जिन जल स्रोतों के पास बैठकर बचपन बिताया था तथा प्रकृति माँ की शरण में जी पाए। चार दशक पुराने उस कुएँ को भी देखा। हम स्कूल के छोटे-छोटे बाल सखा घर आते और कुएँ पर चरसा में पानी पीते। पानी कितना मीठा और पाचक होता था कहने की आवश्यकता नहीं। विश्व जल दिवस को गाँव के पुराने जल स्रोतों को देख मन उदास था। आज तीन - चार दशक पुरानी यादें ताजा होने लगी जब चारों ओर खेतों में हरियाली छाई रहती थी। अब चारों ओर सूखा ही सूखा नजर आ रहा था। जंगलों को भू-माफिया हथिया रहे हैं। शायद अब जन -जागृति से इसे बचाया जा सकता है। 'बिन पानी सब सून' के भाव को गौण कर लोग कूपों के जल को टैंकरों में भर -भर कर चांदी कूट रहे हैं। भुजबल, धनबल और अपने -अपने आकाओं की आड़ में इस धरती मां के अमृत को व्यर्थ नष्ट करने में लगे हैं। बचपन में हम रात्रि में जब घर के बाहर चारपाई डालकर सोते और पिताजी एवं बड़ों से जल बचाने की सीख भरी राजा-रानी के क़िस्से सुनते थे। उन कहानियों में छिपा एक गहरा संदेश भी हम सहजता से समझ जाते थे। खेतों में सिंचाई की जाती तो गर्मी के मौसम में रात्रि को सोते समय सुकून और शांति देने वाली हवा चला करती किंतु वे दिन अब कहाँ? आज कुएँ सूने और वीरान पड़े थे। पानी की बूँद-बूँद की सीख देने वाली दादी माँ और ममतामयी मां अब इस दुनिया में न थीं। उस कालखंड में गांव की चौपाल पर गांव के बुजुर्ग, पिताजी और चाचाजी कैसे जल शुद्धि के लिए हमें सिखाया करते थे। अब तो ये सब बच्चों को बताने के लिए हमें चित्रों के माध्यम से एक काल्पनिक सी फिल्म की पटकथा सी लिखनी होती है। हमारे बुजुर्ग वर्षा जल को एकत्रित करने के लिए हमें प्रेरित करते थे। वे हमें बचपन की गूँजती मधुर किलकारियाँ और पाटी-पोथी लेकर स्कूल जाते देख कितने खुश होते थे। खुशहाल समय का आकलन अच्छी वर्षा और भरपूर जलस्रोतों से होता था। हम प्रकृति माँ की छाँव और जल देव का अमृत पान कर ही हम जीवन जी पा रहे हैं। क्यों न हम फिर से हमारे प्राचीन जल स्रोतों को बचाने और जल संरक्षण का संकल्प लें। आत्मा ख़ुशी से झूम उठेगी।

इसी विचार के साथ हमने अपने पैतृक गाँव में जल संरक्षण को लेकर विचार मंथन किया और वर्षा जल से पहले ही जल को संरक्षित करने की नीति से जुड़े पक्ष भी रखे। सच में यदि हम कल के लिए आज न चेते तो वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक-एक बूँद के लिए हमें कोसों दूर तक पलायन करना होगा। ऐसी स्थिति आज बहुत से स्थानों पर आ चुकी है। घर-घर जल मिशन कब शुरू होगा यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा है। पिछले सात वर्षों से हमारे घर के नल में पानी की एक बूँद भी नसीब नहीं। टैंकरों की मनमर्ज़ी के अनुसार पैसे देकर पानी पीते हैं। हमें जल बचाने के लिए जल स्रोतों को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा। मैंने गांव के क़रीब उस जोहड़ को भी देखा जब गर्मी की छुट्टियों में बचपन में हम गायें चराया करते थे। गायें जंगल में चरकर जोहड़ में छक कर पानी पीतीं। आज पानी न के बराबर था। हमारी संस्कृति में कुओं को धार्मिकता से जोड़ा गया है। पहले कुएँ खुदवाए जाना और बनवाना बहुत सम्मान की बात मानी जाती थी। भगवान भास्कर की किरणें कुओं में समाए जल में पड़ती। हम स्वस्थ रहते थे। आज गिरता भूजल स्तर चिंता का विषय है इसे हमें संरक्षित करना ही होगा।

-लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

सारे जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है

संकलित

दर्शन

हम दीपावली अमावस की रात को मनाते हैं! दीयों की पंक्तियां बाहर जला लेते हैं, पर दीये तो भीतर नहीं जा सकते। भीतर की अमावस तो अमावस ही रहेगी। धोखे छोड़ो! इसे स्वीकार करो कि तुम बुझे हुए दीपक हो। अपने ही कारण तुम बुझे हुए हो। अपने ही कारण भीतर प्रकाश नहीं जागा। कहां चूक हो गई है? वस्तुतः हमारी सारी जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है। इस बहिर्यात्रा में ही हम भीतर अंधेरे में पड़े हैं। यह ऊर्जा भीतर की तरफ लौटे तो यही ऊर्जा प्रकाश बनेगी। तुम्हारा सारा प्रकाश बाहर पड़ रहा है। सबको देख लेते हो, अपने प्रति अंधे रह जाते हो। जिसने स्वयं को न देखा, उसने कुछ भी न देखा। तुम्हारे भीतर का दीया कैसे जले, सच्ची दीपावली कैसे पैदा हो? उसके सूत्र हैं बड़े मधु-भरे! पीओगे तो जी उठोगे। ध्यान धरोगे इन पर, संभल जाओगे। डुबकी मारोगे इनमें, तो तुम जैसे हो वैसे मिट जाओगे और तुम्हें जैसा होना चाहिए, वैसे ही प्रकट हो जाओगे। सूत्र यह है कि जिस प्रकाश को तुम खोज रहे हो, वह तुम्हारे भीतर बैठा है। तुम्हारी खोज के कारण ही तुम उसे नहीं पा रहे हो। तुम दौड़े जाते हो। थकते हो, गिरते हो। जिसे तुम खोजने चले हो, उस मालिक ने तुम्हारे घर में बसेरा किया हुआ है। तुम जिसे खोजने चले हो, वह अतिथि नहीं है, आतिथेय है। खोजने वाले में ही छिपा है। वह जो गंतव्य है, कहीं दूर नहीं, कहीं भिन्न नहीं, गंता की आंतरिक अवस्था है। अगर उसे देखना हो, उसके प्रति चैतन्य से भरना हो तो आंखें उलटाना सीखना पड़ेगा। यही ध्यान है।

दान की बड़ी महिमा

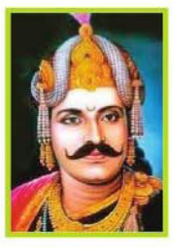

संकलित

प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था। राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। दधीचि ने तो वज्र बनाने के लिए इंद्र को अपना कंकाल तक दान कर दिया था। कर्ण को आज सभी सबसे बड़े दानी के रूप में जानते हैं। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। संचय किए हुए धन पर हमेशा राज दूसरे ही करते हैं, अतः कहा गया है की आप जितनी कमाई करते है उसका कुछ भाग अवश्य दान करे।

रामनवमी की तैयारी

राम नवमी पर्व से पहले हैदराबाद में सोमवार को एक कलाकार भगवान राम की मूर्ति को अंतिम रूप देता हुआ।

आज की पाती

ईरान की नीति और ऊर्जा संकट

दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार की एक महत्वपूर्ण धुरी हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य है। यह एक अत्यंत संकीर्ण जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ता है। इसी मार्ग से दुनिया के लगभग एक-चौथाई तेल और गैस का परिवहन होता है। ऐसे में ईरान द्वारा इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाज़ों पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब पूरी दुनिया पहले से ही ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे देश इस मार्ग पर अत्यधिक निर्भर हैं। बहरहाल, यह लड़ाई अब बातचीत के जरिए खत्म होनी चाहिए। *- प्रवीण ठाकुर, दुर्ग*

करंट अफेयर

व्हाइट हाउस के समीप स्थापित की गई कोलंबस की प्रतिमा

इतालवी खोजकर्ता क्रिस्टोफर कोलंबस की एक प्रतिमा को अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस के पास स्थित आइजनहावर सरकारी कार्यालय परिसर में स्थापित किया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा इस कथित विवादित खोजकर्ता को सम्मान देने के प्रयास का हिस्सा है। यह उस प्रतिमा की प्रतिकृति है, जिसे 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान देशभर में संस्थागत नस्लवाद के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बीच बाल्टीमोर के बंदरगाह में फेंक दिया गया था। ट्रंप पारंपरिक रूप से कोलंबस को 1492 के उस अभियान के नेता के रूप में देखते हैं, जिसे अमेरिका में यूरोपीय उपनिवेशवाद की अनौपचारिक शुरुआत और आधुनिक आर्थिक-राजनीतिक व्यवस्था के विकास का आधार माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में कोलंबस को पश्चिमी यूरोप द्वारा 'न्यू वर्ल्ड' उसके संसाधनों और मूल निवासियों के दमन और शोषण के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। 'न्यू वर्ल्ड' से तात्पर्य अमेरिका (उत्तरी, दक्षिणी और मध्य अमेरिका) और आसपास के द्वीपों से है व्हाइट हाउस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'इस व्हाइट हाउस में क्रिस्टोफर कोलंबस एक नायक हैं और राष्ट्रपति ट्रंप यह सुनिश्चित करेंगे कि आने वाली पीढ़ियों तक उन्हें इसी रूप में सम्मानित किया जाए।'

ऑफ बीट

खटमल एक वैश्विक समस्या इसके बारे में जानकारी कम

खटमल छोटे, उड़ने से लाचार कीड़े होते हैं जो मानव रक्त पर जीते हैं। कई प्रजातियां हैं, लेकिन सबसे अधिक लोगों को जिस प्रजाति का पता है वह साइमेक्स लेक्टुलरियस है। रोमनों ने उन्हें साइमेक्स कहा, जिसका अर्थ है बग। 1758 में बहुत बाद में प्राकृतिक इतिहासकार कार्ल लिनिअस ने इनके नाम के साथ 'लेक्ट्युलरियस' को जोड़ा, जिसका अर्थ है बिस्तर या सोफा। हमारा रक्त उनके पोषण का मुख्य स्रोत है, लेकिन वह जीने के लिए अन्य जानवरों का खून भी पीते हैं, जैसे पक्षियों, पालतू जानवरों और चमगादड़ों आदि का। खटमल में एक जटिल आंत माइक्रोबायोटा होता है, जो उन्हें हमारे रक्त से आवश्यक सभी पोषक तत्वों को निकालने में मदद करता है। किशोरों को एक जीवन चरण से दूसरे में विकसित होने के लिए रक्त भोजन की आवश्यकता होती है - इसलिए, वयस्क बनने के लिए, प्रत्येक खटमल को कम से कम पांच रक्त भोजन की आवश्यकता होगी। वयस्क खटमल, हालांकि, भोजन के बिना पूरे वर्ष जीवित रह सकते हैं। वे उड़ नहीं सकते। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, चलने से वह बहुत दूर नहीं जा सकते, लेकिन यह घर में हर तरफ फैल जाते हैं। और खटमल ज्यादा दूर तक जाने के लिए इनसानों का इस्तेमाल करते हैं।

X ट्रेंड

लोहिया को श्रद्धांजलि

डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। वे एक बहुमुखी व्यक्तित्व थे जिन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध जन आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत की प्रगति में योगदान दिया। लैंगिक समानता और सहभागी शासन पर उनके विचार भी उतने ही उल्लेखनीय हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कच्चे तेल का भंडारण

बीते दशक में भारत ने संकट के ऐसे ही समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को भी प्राथमिकता दी है। आज भारत के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व है और 65 से अधिक की व्यवस्था पर देश काम कर रहा है।

- पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

प्रेरणा स्रोत

महान क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीद दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। देश के लिए बेखौफ लड़ते हुए उनका संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

नया उत्तर प्रदेश कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति को अपना रहा है। पुच एआई के साथ 25,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन से राज्य में एआई पार्क, बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर अवसंरचना, एआई कॉमन्स और एक एआई विश्वविद्यालय स्थापित होंगे।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

रॉयल पत्रिका

विकासात्मक कार्यों से बदली वार्ड की सूरत, पार्षद अनीश खान और अध्यक्ष इसाक खान का हुआ भव्य अभिनंदन

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। जिला मुख्यालय के वार्ड संख्या 24 में विकास की लहर और जनसेवा के जज्बे को देखते हुए समस्त सर्व समाज द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निवर्तमान पार्षद अनीश खान और चूरू जिला कायमखानी महासभा के नवनियुक्त अध्यक्ष इसाक खान का वार्ड वासियों ने गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया।

विकास कार्यों की रही धूम

पार्षद अनीश खान द्वारा वार्ड में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए वक्ताओं ने बताया कि उनके कार्यकाल में शत-प्रतिशत पट्टा वितरण, तकिया ताजुशाह में मुक्तिधाम का निर्माण, वीर-बालाजी मंदिर का सौंदर्यीकरण और सड़कों का जाल बिछाया गया है। इसके अलावा 6 हाईमास्क लाइटें लगवाने, एनएफएस (N.F.S.) और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुँचाने के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

वार्ड वासियों ने बताया कि समय-समय पर मेडिकल कैंप लगवाना, वृद्धावस्था पेंशन और श्रमिक कार्ड बनवाने जैसे कार्यों से आमजन को बड़ी राहत मिली है। इसी सेवा भाव के लिए पार्षद को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

ये रहे उपस्थित

ताजुशाह तकिया सदर मोहम्मद गुलाम जिलानी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। समारोह को हाजी अजीज खान, पूर्व पार्षद बाबू इस्माइल खान, सुरेश शर्मा, मेडी भक्ति, मदन प्रजापत, कमल कुमार, इन्द्र चन्द्र और आमीन खां (एएसएम) सहित कई गणमान्य लोगों ने संबोधित किया।

इस अवसर पर प्रेम कुमार, ओम प्रजापत, नवाब खां, इकरामुद्दीन, बशीर खां, पूर्व सदर भवरू खान, युसूफ खां अखणाण, एडवोकेट खुशी खान, सबीर खां कबीर खानी, युवा नेता आसिफ खान, बाबू कलाल और जगशेर खां मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जावेद खान और सिकंदर खान ने किया। अंत में जिला अध्यक्ष इसाक खान ने सभी वार्ड वासियों का आभार व्यक्त किया।

दौसा में 1 अप्रैल को सजेगा 'राजस्थानी घूमर महोत्सव' का मंच, महुवा में पोस्टर विमोचन के साथ तैयारियों का आगाज

महुवा (शफीक अली)। राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और पारंपरिक विरासत को संजोने के उद्देश्य से आगामी 1 अप्रैल को दौसा के सत्यनारायण गार्डन में जिला स्तरीय 'घूमर महोत्सव' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव को लेकर सोमवार को महुवा के मंडावर रोड स्थित शुभ वाटिका मैरिज होम में पोस्टर का विमोचन कर कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की गई।

सांस्कृतिक विरासत से नई पीढ़ी को जोड़ने का प्रयास

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला संयोजक उर्मिला जोशी, सह-संयोजक डॉ. मूर्ति मीणा, पूर्व पार्षद पुष्पा गुप्ता, सेवानिवृत्त शिक्षा उपनिदेशक प्रेमवती शर्मा और अनुराधा गुप्ता ने भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला संयोजक उर्मिला जोशी ने बताया कि सर्व समाज महिला विकास समिति, दौसा के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस घूमर नृत्य प्रतियोगिता में जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों से महिलाएं और बालिकाएं भाग लेंगी। डॉ. मूर्ति मीणा ने कहा कि घूमर केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान है। ऐसे आयोजनों से महिलाओं की प्रतिभा को मंच मिलने के साथ-साथ नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ती है। पारंपरिक वेशभूषा में होगी आकर्षक प्रस्तुतियाँ महुवा विधानसभा क्षेत्र की संयोजक ललिता शर्मा, शकुंतला व्यास, ममता शर्मा और पिंकी चौहान ने बताया कि 1 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस महोत्सव में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में घूमर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां देंगी। महुवा क्षेत्र से बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने अपना पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) करा लिया है। जो महिलाएं भाग लेना चाहती हैं, वे अभी भी अपना पंजीयन करवा सकती हैं।

ये रहे उपस्थित

पोस्टर विमोचन के दौरान पूर्व प्रधान मिश्री देवी मीणा, अलका सोनी, मंजू शर्मा, नीतू भारद्वाज, सुधा मानिक, अनुराधा गुप्ता, मधु शर्मा, रेनू गोयल, ममता खंडेलवाल, गीता बढ़ाया, चंचल गोयल, सुमन अग्रवाल और मीना शर्मा सहित दर्जनों महिलाएं व बालिकाएं मौजूद रहीं। सभी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए महोत्सव को सफल बनाने का संकल्प लिया।

शहीद दिवस पर नर्सिंग ऑफिसर अब्बास राजस्थानी ने किया रक्तदान, अमर शहीदों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। 'शहीद दिवस' के पावन अवसर पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को याद करते हुए बीकानेर में कार्यरत चूरू के नर्सिंग ऑफिसर मोहम्मद अब्बास खान (अब्बास राजस्थानी) ने रक्तदान कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणादायक रक्तदान के पश्चात अपने विचार साझा करते हुए अब्बास राजस्थानी ने कहा कि 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में वीर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हँसते-हँसते फांसी के फंदे को चूम लिया था। उनकी इसी शहादत की बदौलत आज हम एक स्वतंत्र देश में सांस ले पा रहे हैं। उनके अदम्य साहस और अटूट देशभक्ति ने पूरे देश में क्रांति की जो लहर दौड़ाई थी, वह आज भी हर भारतीय के दिल में जिंदा है। रक्तदान से जीवनदान का संकल्प नर्सिंग ऑफिसर अब्बास ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा

के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगे कहा, "अगर मेरे द्वारा किए गए इस रक्तदान से किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिलता है, तो यह मेरे लिए परम सौभाग्य की बात होगी। शहीदों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और समाज सेवा के माध्यम से उन्हें याद करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।" इस अवसर पर उनके इस पुनीत कार्य की चिकित्सा जगत और प्रबुद्धजनों ने सराहना की है।

नाहरांवाली में नाटक के जरिए दिया नशे के खिलाफ कड़ा संदेश

श्रीगंगानगर (विनोद सोखल)। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे 'नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान' के तहत सोमवार को ग्राम पंचायत नाहरांवाली में एक प्रेरणादायक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कलक्टर डॉ. मंजू और जिला पुलिस अधीक्षक श्री हरिशंकर के नेतृत्व में जारी इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की गर्त से बाहर निकालना और समाज को जागरूक करना रहा।

भावुक कर देने वाली रही नाटक की प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी और उनकी टीम (सहीराम व लक्ष्या ज्याणी) ने नशे के दुष्परिणामों पर आधारित एक मर्मस्पर्शी नाटक का मंचन किया। नाटक की प्रस्तुति इतनी जीवंत थी कि उपस्थित दर्शकों की आँखें नम हो गईं। कलाकारों ने प्रभावी ढंग से दर्शाया कि कैसे नशा एक हंसते-खेलते परिवार को बर्बादी की कगार पर खड़ा कर देता है और सुनहरे भविष्य को अंधकार में धकेल देता है।

समाज की एकजुटता ही नशे का समाधान

नाटक के माध्यम से युवाओं से आह्वान किया गया कि वे अपनी सामाजिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों को समझें और नशे जैसी बुराई से दूर रहकर अपने माता-पिता के सपनों को साकार करें। कार्यक्रम की सराहना करते हुए श्री गोपाल मेघवाल और साहबराम कूकणा ने कहा कि यह नाटक समाज में बदलाव की एक मशाल की तरह है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों और बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। आयोजन ने स्पष्ट संदेश दिया कि यदि पूरा समाज एकजुट होकर नशे के खिलाफ खड़ा हो जाए, तो इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आज, जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर देंगे कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र

सवाई माधोपुर (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय योजना के अंतर्गत आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल प्रशिक्षण वर्ग' का समापन आज सवाई माधोपुर के शहर और खंडार मंडल में होने जा रहा है। इस दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

कार्यकर्ताओं को मिलेगा मार्गदर्शन

जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक मजबूती के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर के अंतिम दिन, 24 मार्च को जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। वे आगामी लक्ष्यों और पार्टी की रीति-नीति पर अपना महत्वपूर्ण उद्बोधन प्रदान करेंगे।

वरिष्ठ नेताओं का रहेगा जमावड़ा

प्रशिक्षण वर्ग के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, डॉ. भरतलाल मथुरिया, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग और जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल भी उपस्थित रहेंगे। साथ ही पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, जिला मंत्री गंगाशंकर गौतम, मोर्चा संयोजक जमनालाल वैष्णव और जिला मंत्री रामहरि जाट जैसे वरिष्ठ नेता भी शिविर में मौजूद रहकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।

इस प्रशिक्षण वर्ग का मुख्य ध्येय जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाना और सरकारी जन-कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने की रणनीति तैयार करना है।

महवा में दो दिवसीय विशाल नि:शुल्क यूनानी-हिजामा शिविर

महवा (शफीक अली)। उपखंड मुख्यालय स्थित राजकीय यूनानी औषधालय (जिला चिकित्सालय) में मंगलवार से दो दिवसीय विशाल निःशुल्क यूनानी चिकित्सा एवं हिजामा शिविर का आगाज होने जा रहा है। निदेशालय यूनानी चिकित्सा विभाग, राजस्थान (जयपुर) के तत्वावधान में राज्य सरकार की SCSP/TASP योजना के अंतर्गत आयोजित यह शिविर 24 और 25 मार्च 2026 तक चलेगा।

हिजामा थेरेपी से मिलेगा दर्द से छुटकारा

शिविर में विभाग के अनुभवी और कुशल चिकित्सकों द्वारा विभिन्न गंभीर व पुरानी बीमारियों का उपचार आधुनिक यूनानी पद्धतियों से किया जाएगा। विशेष रूप से हिजामा थेरेपी के माध्यम से जोड़ों का दर्द, सियाटिका, सर्वाइकल, स्लिप डिस्क, फ्रोजन शोल्डर और कमर दर्द जैसी समस्याओं का प्रभावी इलाज किया जाएगा। इसके अलावा त्वचा रोग (दाद, खाज, खुजली), लिवर, पीलिया, अस्थमा, माइग्रेन, लकवा और किडनी स्टोन जैसी बीमारियों के लिए भी निःशुल्क परामर्श व दवाइयां उपलब्ध रहेंगी।

इनरोगोंकाभीहोगानिःशुल्कइलाज

शिविर में स्त्री एवं पुरुष रोगों सहित PCOD, ल्यूकोरिया, खून की कमी और पेट से संबंधित पुरानी बीमारियों का विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उपचार किया जाएगा। शिविर का समय प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक रहेगा।

आमजन से लाभ उठाने की अपील

शिविर प्रभारी डॉ. शाकिर मोहम्मद ने क्षेत्र के आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस सरकारी जन-कल्याणकारी योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि अनुभवी डॉक्टरों की टीम मरीजों की जांच कर उन्हें उचित उपचार प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी ने पेश की इंसानियत की मिसाल

- ईद के पर्व पर 25 से अधिक जरूरतमंद परिवारों को बांटी राशन किट

सवाई माधोपुर (नि.सं.)। खुशियों के त्योहार ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर 'अहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी' सवाई माधोपुर द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए एक सराहनीय पहल की गई। संस्था की ओर से शहर के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद 25 से अधिक परिवारों को राशन किट का वितरण किया गया, ताकि समाज का हर वर्ग सम्मान के साथ त्योहार की खुशियाँ मना सके।

चेहरों पर लौटी मुस्कान

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि संसाधनों के अभाव में कोई भी परिवार ईद की खुशियों से वंचित न रहे। राशन किट में आटा, चीनी, तेल और सेवईं जैसी तमाम आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल की गई। इस मदद को पाकर जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

सेवा का संकल्प रहेगा जारी

सोसायटी के सदस्यों ने इस अवसर पर कहा कि समाज के वंचित वर्ग की सेवा करना उनका प्राथमिक लक्ष्य है। अहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा समय-समय पर ऐसे जनहितकारी और सेवाभावी कार्य किए जाते रहे हैं, जो समाज में आपसी सद्भाव, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूती प्रदान करते हैं। संस्था ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया है।

बजरिया मंडल के दो दिवसीय भाजपा प्रशिक्षण वर्ग का हुआ समापन, जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

सवाई माधोपुर (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी के 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर-2026' के अंतर्गत बजरिया मंडल का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर के समापन सत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती का मंत्र दिया।

विचारधारा और बूथ सशक्तिकरण पर जोर

बजरिया मंडल प्रवक्ता ओम शर्मा ने बताया कि इस दो दिवसीय शिविर का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से परिपक्व बनाना और बूथ स्तर पर संगठन को अभेद्य बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को पार्टी के गौरवशाली इतिहास, 'अंत्योदय' के संकल्प, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रभावी बूथ प्रबंधन के गुर सिखाए गए। साथ ही वर्तमान दौर में सोशल मीडिया के सही उपयोग और कार्यपद्धति पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

वरिष्ठ नेताओं का मिला मार्गदर्शन

प्रशिक्षण सत्रों की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रितेश भारद्वाज, पूर्व सभापति राजेश गोयल, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. भरतलाल मथुरिया और ओम शर्मा ने की। विभिन्न सत्रों में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन और जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष मीरा सैनी, महामंत्री जगदीश अग्रवाल, प्रकोष्ठ संयोजक बलवीर सिंह, जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा, संतोष मथुरिया, महामंत्री केशव शर्मा, गोपाल सिंह चाहर, संजय सिकरवार और दीपक माहेश्वरी सहित हरचरण सिंह, राजेश मीणा, नीरज मीणा, सुनील तिलकर, चंचल सैनी, पदम जैन, रवि चौधरी, मुरली गौतम, शंकर नारेणियां, शुभम भारद्वाज, सावित्री, लक्ष्मी शर्मा और कृष्ण गुप्ता मौजूद रहे। शिविर में मंडल व बूथ अध्यक्षों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर आगामी सांगठनिक कार्यों का संकल्प लिया।

पीर की जाल में ईद उल फितर की नमाज़ अदा कर ददया भाईचारे का संदेश।

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मा 7 फकलोमीटर की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह के आथताने पर ईदगाह में नमाज अदा कर दहंदुथतान में अमन शांतत बनी रहे मांगी दुआ। पीर की जाल एक ऐसा थिान कौमी एकता की प्रतीक दरगाह पीर अब्बनशाह के ईदगाह में सुबह 7 बजे से नमाज अदा करने के ललए बडी संख्या में नमाज़ी ईदगाह पहुंचे। मौलाना साहब ने नमाज अदा करवा कर अमन-शांतत बनी रहे ओर आपसी सद्भाव का संदेश ददया। रमजान का महीना पूराहोने पर ईद उल फितर का त्यौहार एकता और इंसातनयत का प्यार लसखाता है। देश ओर प्रदेश के ललए आपसी भाई चारा बना रहे ओर आपसी देशों में भी शांतत का वातावरण बना रहे दुआ की गई।इस दौरान पुललस प्रशासन मौजूद रहा। नमाज के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी।

ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में हाहाकार, बिटकॉइन 68,000 से नीचे लुढ़की

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में

हाहाकार मचा हुआ है और ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू हो गई। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज की खाड़ी को नहीं खोला तो अमेरिका उसके पावर प्लांट तबाह कर देगा। इससे पश्चिम एशिया में 23 दिन से चल रहे युद्ध को और भीषण होने की आशंका बढ़ गई है और दुनियाभर में निवेशकों के हाथपांव फूल गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत 68,000 डॉलर से नीचे आ गई और पूरे क्रिप्टो मार्केट में भूचाल आ गया। ट्रंप ने महज 24 घंटे में ईरान मामले में यू-टर्न लिया है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह ईरान में लड़ाई खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन उनके आज के बयान ने पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया है। इससे पूरी दुनिया में निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि ट्रंप के बयान के महज 60 मिनट के भीतर 240 मिलियन डॉलर की लेवर्ड क्रिप्टो पोजीशन लिक्विडेट हो गई। इससे बिटकॉइन 68,000 से नीचे आ गई। इस हफ्ते की शुरुआत में यानी 18 मार्च को बिटकॉइन 76,000 के ऊपर चली गई थी जो उसका छह हफ्ते का हाई लेवल था। मगर पिछले तीन दिन से इसमें गिरावट आई है। बिटकॉइन और क्रिप्टो मार्केट तेल की बढ़ती कीमत और पश्चिम एशिया में बढ़ रहे संकट का असर दिख रहा है। माना जा रहा है कि अगर ईरान युद्ध जल्दी समाप्त नहीं हुआ तो कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

जेरोधा के को-फाउंडर नितिन कामथ ने एलपीजी समस्या पर दी सलाह

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में एलपीजी की किल्लत के बीच जेरोधा के को फाउंडर और सीईओ

नितिन कामथ ने कहा है कि देश को इस संकट को मौके में बदलने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकल स्तर पर बायोगैस का उत्पादन करने की कोशिश करनी चाहिए। नितिन कामथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखतें, 'जो कुछ खाड़ी के देशों में हो रहा है, वह दर्शाता है कि भारत अपनी ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक क्षेत्र पर कितना निर्भर है। हम ज्यादातर कच्चा तेल और नेचुरल गैस बाहर से आयात करते हैं।' कामथ आगे लिखते हैं, 'जैसा कि कहावत है कि अच्छे संकट को कभी बेकार नहीं जाने देना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम बायोगैस जैसे विकल्पों की ओर ध्यान दें। इस हम स्थानीय स्तर पर बना सकते है। पर्यावरण के लिहाज से भी यह काफी अच्छा है।' कामथ जलवायु, डीपटेक, फिनटेक, स्वास्थ्य और मीडिया के लिए बने 'रेनमैटर इंडिया फंड' के फाउंडर और समर्थक भी माने जाते हैं। यह फंड बायोगैस क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों की मदद करता है। युद्ध की वजह से गैस की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। जिसकी वजह से सरकार को नियमों में सख्ती करनी पड़ी। रेस्त्रां से लेकर होटल तक गैस की सप्लाई प्रभावित हुई। पिछले दिनों दो एलपीजी शिप भारत के पोर्ट पर पहुंचे हैं। लेकिन यह भारत की जरूरत के हिसाब से नाकाफी है। केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का निर्देश दिया है। बता दें, विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार अभी खाड़ी के देशों में भारत के 22 जहाज फंसे हुए हैं।

HJU का तृतीय दीक्षांत समारोह कल: राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े करेंगे अध्यक्षता, 271 विद्यार्थियों को मिलेंगी डिग्रियाँ

जयपुर (रॉयल पत्रिका ब्यूरो)। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (HJU) का तृतीय दीक्षांत समारोह बुधवार, 25 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC) के सभागार में आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में पत्रकारिता के भविष्य कहे जाने वाले होनहारों को डिग्रियाँ और पदक नवाजे जाएंगे।

महामहिम राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष होंगे अतिथि

समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागड़े करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी होंगे, जबकि उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

12 मेधावियों को गोल्ड मेडल, 2 शोधार्थियों को मिलेगी पीएचडी

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने बताया कि दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 और 2025 की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले स्नातक व स्नातकोत्तर के कुल 269 विद्यार्थियों को उपाधियाँ दी जाएंगी। साथ ही, दो शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जाएगी। अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) और 35 विद्यार्थियों को वरीयता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

पत्रकारिता शिक्षा का प्रमुख केंद्र बना विश्वविद्यालय

संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते हुए कुलगुरु प्रो. पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय वर्तमान में 5 विभागों के अंतर्गत मीडिया अध्ययन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जनसंपर्क एवं विज्ञापन, न्यू मीडिया और विकास संचार में पीजी पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसके साथ ही बीए-जेएमसी (तीन वर्षीय) और चार वर्षीय ऑनर्स पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। वर्तमान में 23 शोधार्थी पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में पीएचडी कर रहे हैं, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है।

महवा के जी बी इंटरनेशनल एकेडमी का 10वीं बोर्ड में ऐतिहासिक परिणाम; असद खान ने 98.83% अंकों के साथ गाड़े सफलता के झंडे

महवा (शफीक अली)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में महवा के जी बी इंटरनेशनल एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के होनहारों ने न केवल उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए, बल्कि सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 'रॉयल पत्रिका' की सुर्खियों में अपनी जगह बनाई है।

प्रतिभाशाली छात्रों ने किया कमाल, 34 से अधिक विद्यार्थी 80% के पार

विद्यालय के निदेशक श्री मुकेश कुमार अवस्थी ने गर्व के साथ जानकारी देते हुए बताया कि छात्र असद खान ने 98.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में जश्न का माहौल है।

असद के अलावा अन्य मेधावियों ने भी अपनी मेधा का परिचय दिया है:

गर्वित जैन: 95.83%
आकर्ष जैन: 94.50%
अक्षत अवस्थी: 94.50%
आयुष जादौन व खुशबू बानो: 94.33%
अनीश मीना: 92.00%
अर्जन जैन: 91.83%
उर्वशी मीना: 91.50%
युवल मीना: 90.17%

विशेष बात यह है कि विद्यालय के 34 से अधिक विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को सिद्ध किया है।

साफा और माला पहनाकर किया भव्य अभिनंदन

परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें होनहार छात्र-छात्राओं का भव्य स्वागत किया गया। मेधावियों को साफा

बंधवाकर, माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान उपस्थित अभिभावकों की आँखें अपने बच्चों की सफलता देख खुशी से भर आईं।

संस्कारयुक्त शिक्षा ही सफलता की कुंजी: निदेशक अवस्थी

निदेशक मुकेश कुमार अवस्थी ने इस शानदार सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के समर्पण को दिया। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार डालकर उन्हें जीवन की हर परीक्षा के लिए तैयार करना है। शिक्षकों द्वारा समय-समय पर किए गए मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का ही यह सुखद परिणाम है।"

इस अवसर पर अभिभावकों ने भी विद्यालय के अनुशासित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सराहना करते हुए समस्त शिक्षक समुदाय का आभार व्यक्त किया।

हॉस्टल की पतली दाल से आया आइडिया, काले कोट की जगह पकड़ी करछी, अब करोड़ों का कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। मिरनल सेठी सिरसा (हरियाणा) के मंडी

डबवाली से ताल्लुक रखते हैं। वकालत की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने काला कोट पहनने के बजाय करछी उठाने का फैसला किया। उन्होंने 2020 में 'डॉ डाइट' नाम का स्टार्टअप शुरू किया था। यह किफायती हाई-प्रोटीन वाले खाने की पेशकश करता है। इसका आइडिया उन्हें पढ़ाई के दौरान हॉस्टल की पतली दाल और मैदे वाली रोटियों से आया। तब उन्होंने अनहेल्दी खाने से तंग आकर 250 रुपये के इंडक्शन पर खुद खाना बनाना शुरू किया था। उन्हें क्या पता था कि एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद यही उनकी किस्मत के ताले खोल देगा। अपने क्लाउड किचन वेंचर से आज वह 10 करोड़ से अधिक का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां मिरनल सेठी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मिरनल सेठी हरियाणा के सिरसा जिले में मंडी डबवाली के एक साधारण परिवार से आते हैं। 2020 में चंडीगढ़ से उन्होंने एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में इंटर्नशिप के दौरान उन्हें अहसास हुआ कि कानून की दुनिया उनके लिए नहीं है। फिटनेस के प्रति उनके जुनून और हॉस्टल में मिलने वाले अनहेल्दी खाने ने उन्हें कुछ अलग करने पर मजबूर किया। उन्होंने अपनी सेविंग से 3 लाख रुपये लगाकर चंडीगढ़ में एक छोटे से कमरे से 'डॉ डाइट' की नींव रखी। मिरनल सेठी शुरुआत में खुद साइकिल पर खाना डिलीवरी करते थे। लेकिन, मार्च 2020 के लॉकडाउन ने सब कुछ ठप कर दिया। जब वह महीनों बाद वापस लौटे तो चूहों ने उनकी दुकान तहस-नहस कर दी थी। उस वक्त वह पूरी तरह टूट गए थे।

डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ ने टाइप 2 डायबिटीज के लिए भारत का पहला डीसीजीआई-स्वीकृत सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन 'ओबेडा' लॉन्च किया

हैदराबाद, एजेंसी। डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ लिमिटेड (बीएसईः 500124, एनएसईः डीआररेड्डी, एनवाईएसईः आरडीवाई, एनएसईआईएफएससीः डीआररेड्डी अपनी सहायक कंपनियों सहित, जिन्हें सामूहिक रूप से डॉ. रेड्डीज़ कहा जाता है), एक वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनी, ने आज 'ओबेडा0' ब्रांड नाम के तहत अपने इंजेक्टेबल सेमाग्लूटाइड के लॉन्च की घोषणा की। यह भारत में टाइप 2 डायबिटीज के प्रबंधन के लिए उन्नत जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट आधारित थेरेपी तक पहुंच का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. रेड्डीज़ जेनरिक सेमाग्लूटाइड के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से मंजूरी प्राप्त करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। यह लॉन्च पेटेंट समाप्ति के साथ ही इस सेगमेंट में कंपनी की 'डे-1' एंट्री को रेखांकित करता है और भारत में मरीजों की अपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उसकी तत्परता को दर्शाता है। आईसीएमआर-इंडियाब अध्ययन के अनुसार, भारत दुनिया में डायबिटीज के सबसे बड़े बोझ वाले देशों में से एक है, जहां 10.1 करोड़ से अधिक वयस्क इस बीमारी से प्रभावित हैं। अध्ययन के अनुसार, डायबिटीज की व्यापकता 11.4त्न है, जबकि लगभग हर 10 में से 4 वयस्क पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। इसके अलावा, लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक हैं, जिससे उनमें इस बीमारी के विकसित होने का उच्च जोखिम है। ऐसे परिदृश्य में, सेमाग्लूटाइड, जो एक जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट है, व्यापक उपचार योजना के हिस्से के रूप में उपयोग किए जाने पर ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार और वजन प्रबंधन में सहायता करने का वैश्विक स्तर पर सिद्ध रिकॉर्ड रखता है। 312 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए किए गए हेड-टू-हेड फेज थर्ड क्लिनिकल अध्ययन में, डॉ. रेड्डीज़ के ओबेडा0 ने प्रभावकारिता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं दिखाई (नॉन-इन्फीरियर) और इसकी सुरक्षा प्रोफाइल ओरिजिनेटर दवा के समान रही। इसने ग्लाइसेमिक कमी में समान परिणाम दिखाए। इसके अतिरिक्त, फास्टिंग ग्लूकोज नियंत्रण, भोजन के बाद (पोस्ट-प्रांडियल) ग्लूकोज नियंत्रण, तथा अध्ययन के अंत में चिकित्सीय ग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया में भी समान परिणाम देखे गए। किसी भी एंटी-ड्रग एंटीबॉडी का पता नहीं चला और इसकी इम्यूनोजेनेसिटी प्रोफाइल भी ओरिजिनेटर दवा के समान रही। एपीआइ विकास एवं निर्माण, साथ ही फॉर्मुलेशन विकास पूरी तरह इन-हाउस किए जाने के साथ, ओबेडा0 जटिल उत्पाद विकास और पेप्टाइड साइंस में डॉ. रेड्डीज़ की मजबूत क्षमताओं को दर्शाता है। यह कंपनी की पेप्टाइड तकनीक में एक दशक से अधिक की विशेषज्ञता और उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तथा भारत की बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है।

Dr. Reddy's

जीएलपी-1 थेरेपी के लिए अपनी भविष्य की योजनाओं के तहत, कंपनी पूरी तरह इंटीग्रेटेड एपीआइ और फॉर्मुलेशन दृष्टिकोण अपनाने पर कार्य करेगी, जिसमें विकास और निर्माण दोनों इन-हाउस शामिल होंगे। डॉ. रेड्डीज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरेज़ इस्राएली ने कहा, आज का यह लॉन्च हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत और वैश्विक बाजारों में महत्वपूर्ण उपचार क्षेत्रों में हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जीएलपी-1 थेरेपी में हमारी एंट्री जटिल उत्पाद विकास और पेप्टाइड साइंस में हमारी क्षमताओं को प्रतिबिंबित करती है। यह नवाचार और पहुंच को साथ लाकर स्वास्थ्य सेवा में एक विश्वसनीय भागीदार बनने के हमारे दृष्टिकोण को मजबूत करता है, जिससे उन्नत डायबिटीज उपचार न केवल उपलब्ध हों, बल्कि किफायती भी हों। करने का लक्ष्य रखते हैं और 'वन प्रोडक्ट, वन क्वालिटी' दृष्टिकोण के माध्यम से सभी बाजारों में समान उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एलपीजी सिलेंडर के दाम में हुआ है बदलाव?

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब सीधे भारत के रसोई गैस बाजार पर दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाला व्यापार लगभग ठप पड़ गया है, जिससे सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत अपनी घरेलू जरूरतों का करीब 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है, और इसमें से लगभग 90 प्रतिशत सप्लाई मध्य पूर्व से इसी रास्ते होकर आती है। ऐसे में हालात बिगड़ने का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

फरवरी से चल रहा तनाव का माहौल: तनाव की शुरुआत तब हुई जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर संयुक्त हमले किए। इसके बाद पूरे क्षेत्र में संघर्ष बढ़ गया और तेल व गैस टैंकरों ने सुरक्षा कारणों से इस अहम समुद्री रास्ते से गुजरना लगभग बंद कर दिया।

भारत में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत

इस संकट के चलते भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। मार्च की शुरुआत में घरेलू 14.2 किलो सिलेंडर की कीमत 50 बढ़ाई गई, जबकि 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम 144 तक बढ़ा दिए गए। हालांकि इसके बाद अभी तक कोई नई बढ़ोतरी नहीं की गई है। सरकार का कहना है कि देश में फिलहाल पर्याप्त भंडार है और घबराने की जरूरत नहीं है। सप्लाई की कमी को देखते हुए सरकार ने एलपीजी को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत लाकर इसकी वितरण व्यवस्था को नियंत्रित कर दिया है। नई रणनीति के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक

निवेशकों के लिए मौका! 24 मार्च को खुल रहा पावरिका आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईपीओ में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो पावरिका आईपीओ आपके लिए एक दिलचस्प मौका हो सकता है। कंपनी का 1,100 करोड़ का आईपीओ 24 मार्च से 27 मार्च 2026 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए बोली 23 मार्च 2026 को लगेगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 375 से 395 प्रति शेयर तय किया गया है, यानी निवेशकों को इसी रेंज में बोली लगानी होगी। खास बात ये है कि यह आईपीओ दो हिस्सों में बंटा है। इसमें 700 करोड़ के नए शेयर और 400 करोड़ ऑफर फॉर सेल है, जिसमें प्रमोटर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

अगर आप इसमें निवेश करना चाहते हैं, तो आपको कम से कम एक लॉट (37 शेयर) खरीदने होंगे, यानी

न्यूनतम निवेश लगभग 14,615 (ऊपरी प्राइस बैंड पर) के आसपास होगा। आईपीओ में 50 प्रतिशत हिस्सा क्यूआइबी (बड़े निवेशकों), 35 प्रतिशत रिटेल निवेशकों और 15 प्रतिशत एनआइआइ के लिए रिजर्व रखा गया है।

कंपनी इस आईपीओ से जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल अपने कर्ज को चुकाने और बिजनेस विस्तार जैसे सामान्य कॉर्पोरेट कामों में करेगी। लिस्टिंग के बाद कंपनी को ब्रांड वैल्यू बढ़ाने और नए निवेशकों को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी।

बिजनेस की बात करें तो पावरिका पावर सेक्टर में एक जानी-मानी कंपनी है, जो डीजल जेनरेटर सेट्स और पावर सॉल्यूशंस देती है। यह कमिंस इंडिया की ऑथराइज्ड मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर भी है और पिछले 40 सालों से इस कंपनी के साथ काम कर रही है। पावरिका के जेनरेटर 7.5 केवीए से लेकर 10,000 केवीए तक की क्षमता में आते हैं, जो छोटे से बड़े इंडस्ट्रियल कामों तक इस्तेमाल होते हैं। आईपीओ की टाइमलाइन भी ध्यान रखने लायक है। इसका अलॉटमेंट 30 मार्च 2026 को तय होगा, जबकि 1 अप्रैल 2026 को रिफंड और शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट हो जाएंगे।

एफडी पर जानें कहां मिल रहा है 8.25 प्रतिशत तक ब्याज, एसबीआई और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया काफी पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में इस समय भारी उठा-पटक जारी है। वहीं, सोने और चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। इस अनिश्चितता के दौर में फिक्सड डिपॉजिट एक बेहतर विकल्प हो सकता है। आइए जानते हैं कि एफडी में कहां सबसे शानदार रिटर्न मिल रहा है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 से 5 साल तक की एफडी पर 8.25 प्रतिशत तक का सालाना ब्याज दे रहा है। वहीं, श्रुस्त्र स्मॉल फाइनेंस बैंक की तरफ से 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 8 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है। उत्कर्ष 1 से 5 साल तक के फिक्सड डिपॉजिट करने पर अपने ग्राहकों को 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। एसबीएल बैंक ऑफ इंडिया ने 1 साल से 5 साल तक के एफडी पर 7.85 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। वहीं,

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की तरफ से एक साल से 5 साल तक के फिक्सड डिपॉजिट पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दिया जाएगा।

पंजाब नेशनल बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। केनारा बैंक की तरफ से एक साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 रुपये प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने एफडी ग्राहकों को 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.40 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज अपने ग्राहकों को दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली,(भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को बिहार स्थापना दिवस पर राज्य की जनता को बधाई दी और कहा कि वे अपनी प्रतिभा तथा कड़ी मेहनत से बिहार और पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश-विदेश में रहने वाले बिहार के सभी लोगों को बिहार दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। विश्व के प्रथम गणराज्य की भूमि होने के साथ-साथ, गौरवशाली साम्राज्यों और महान सांस्कृतिक-आध्यात्मिक धाराओं को जन्म देने वाली इस धरती ने विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देकर, भारत-भूमि को सदैव समृद्ध किया है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि राज्य के निवासी अपनी असीम प्रतिभा और परिश्रम से, बिहार और पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विश्व जल दिवस

प्रधानमंत्री ने पानी की एक-एक बूंद के संरक्षण की अपील की

- यह दिन उन लोगों की सराहना करने का भी है जो सतत् तरीकों को अपनाते हैं, जागरूकता फैलाते हैं और संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं

नई दिल्ली,(भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर पृथ्वी के भविष्य को आकार देने वाले इस आवश्यक जीवन तत्व के संरक्षण की अपील की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पानी हमें जीवन देता है और हमारे ग्रह के भविष्य को आकार देता है। विश्व जल दिवस के अवसर पर आइए हम एक-एक बूंद पानी के संरक्षण और उसके जिम्मेदार उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन उन लोगों की सराहना करने का भी है जो सतत तरीकों को अपनाते हैं, जागरूकता फैलाते हैं और संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व जल दिवस का एक प्रमुख उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य- छह को हासिल करना है, जिसका उद्देश्य 2030 तक सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता सुनिश्चित करना हैसंयुक्त राष्ट्र ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि 2026 के विश्व जल दिवस अभियान में परिवर्तनकारी और अधिकार आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया गया है जिसमें महिलाओं को जल संबंधी निर्णयों में समान आवाज, नेतृत्व और अवसर दिए जाने पर जोर दिया गया है।

न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों पर अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे जेलों से संबंधित अद्यतन जानकारी 18 मई तक उपलब्ध कराएं, जिसमें प्रत्एक जेल में कैदियों की स्वीकृत संख्या और क्षमता से अधिक कैदी रखने से रोकने के लिए उठाए गए कदम शामिल हों। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी कहा कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों में महिला जेलों की संख्या और उनमें उपलब्ध सुविधाओं का ब्योरा दें। पीठ ने कहा कि साथ ही महिला कैदियों के साथ रहने वाले बच्चों की शिक्षा और समग्र कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी भी दें। पीठ ने कहा कि जेलों में अमानवीय परिस्थितियों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने अदालत का ध्यान इस ओर दिलाया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा प्रस्तुत आंकड़े 2023 के हैं। पीठ ने कहा कि मामले की प्रकृति और प्रभावी निर्णय के लिए अद्यतन और समकालीन आंकड़ों का उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है।उच्चतम न्यायालय ने 17 मार्च को पारित अपने आदेश में कहा, अतः हम यह उचित समझते हैं कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने-अपने अधिकार क्षेत्र की सभी जेलों से संबंधित अद्यतन और व्यापक आंकड़े रिकॉर्ड पर प्रस्तुत करें। न्यायालय ने कहा कि इन आंकड़ों में प्रत्एक जेल की क्षमता, कुल कैदियों की संख्या, हर जेल में भीड़भाड़ का प्रतिशत, इसे कम करने के प्रस्तावित उपाय, महिला जेलों का विवरण, महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाएं (शैक्षिक और चिकित्सीय सुविधाएं सहित), जेल कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या, मौजूदा रिक्तियां और उन्हें भरने के लिए उठाए गए कदम तथा जेल प्रशासन से जुड़े अन्य सभी पहलू शामिल होने चाहिए। पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे एक मार्च 2026 तक प्रत्एक जेल की स्वीकृत क्षमता और उसमें बंद कैदियों की कुल संख्या का पूरा विवरण प्रस्तुत करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश 18 मई तक अपने-अपने गृह सचिव द्वारा सत्यापित विस्तृत हलफनामे दाखिल करेंगे, जिनमें आवश्यक जानकारी दी जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 26 मई को तय की गई है।

अमित शाह ने मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की सराहना की

नई दिल्ली,(भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए गए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की रविवार को सराहना की और कहा कि यह सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी द्वारा सार्वजनिक जीवन में 8,931 दिनों का रिकॉर्ड बनाया जाना राष्ट्र-प्रथम, शासन, कार्यों में ईमानदारी और प्रत्एक नागरिक की अथक सेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शाह ने एक्स पर एक संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रविवार को सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए भारत में सर्वाधिक समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले व्यक्ति बन गए।गृह मंत्री ने कहा, मोदी जी की दशकों की सेवा ने एक नए युग को जन्म दिया है। चाहे गरीबों को उनके अधिकार दिलाना हो, विकास में नए मुकाम हासिल करना हो या वैश्विक मंचों पर देश का गौरव बढ़ाना हो, मोदी युग ने भारत को पूरी तरह से बदल दिया है। उन्होंने कहा कि इस नए भारत के निर्माण के लिए जीवन भर के प्रयास की आवश्यकता थी, और प्रधानमंत्री मोदी ने वह प्रयास किया। शाह ने कहा, 24 वर्षों से अधिक समय तक बिना छुट्टी लिए राष्ट्र और उसकी जनता की सेवा करना उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यही कारण है कि उन्हें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में तीन बार और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीन बार जनता से अभूतपूर्व स्नेह प्राप्त हुआ। जनता का विश्वास, स्नेह और समर्थन उनके प्रति दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। इस उपलब्धि को सेवा, कड़ी मेहनत और अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर बताते हुए शाह ने अपने पोस्ट में कहा, अभूतपूर्व विश्वास और अद्वितीय सेवा पर निर्मित एक दुर्लभ विरासत। प्रधानसेवक मोदी। मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।वह 21 मई, 2014 तक इस पद पर बने रहे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 282 सीट के साथ शानदार जीत दिलाने के बाद मोदी ने 26 मई को प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। भाजपा स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी, जिसने कांग्रेस को मात्र 44 सीट पर समेटते हुए धूल चटा दी।

स्वयंभू बाबा के खिलाफ मामले की निगरानी डीजीपी कर रहे, किसी को बख्शा नहीं जाएगा: फडणवीस

नागपुर, (भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार स्वयंभू बाबा अशोक खरात के मामले में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के नेतृत्व में उच्चस्तरीय जांच की जा रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। खरात खुद को मर्चेंट नेवी का सेवानिवृत्त अधिकारी बताता है और कैप्टन उपनाम से जाना जाता है। कई नेता वर्षों से खरात से मिलने जाते रहे हैं। उसे बुधवार को एक महिला का तीन साल तक यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से कहा कि पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर इस मामले का पर्दाफाश किया और डीजीपी को जांच की निगरानी करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है, जो नासिक पुलिस के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। फडणवीस ने कहा कि इस मामले का राजनीतिकरण करने के प्रयास जारी हैं, लेकिन जिन लोगों के पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए सबूत हैं, उन्हें आगे आकर पुलिस के साथ सहयोग करना चाहिए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखे हमले और उन्हें सबसे बड़ा घुसपैठिया करार दिए जाने पर, फडणवीस ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख को आगामी चुनाव में अपनी हार का अंदाजा हो गया है।

विधायकों का निलंबन रद्द न होने पर आम आदमी पार्टी बजट सत्र का बहिष्कार करेगी: आतिशी

नई दिल्ली, (भाषा)। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने रविवार को कहा कि अगर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) के चार विधायकों का निलंबन रद्द नहीं किया गया तो उनकी पार्टी बजट सत्र का बहिष्कार करेगी।सोमवार से शुरू होने वाले सत्र से पहले आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर विशेषाधिकार उल्लंघन के नोटिस और निलंबन के माध्यम से पार्टी की आवाज दबाने का आरोप लगाया।आतिशी ने कहा कि पिछले सत्र में आप के चार विधायकों को निलंबित कर दिया गया था और उन्हें दिल्ली के 70 विधायकों के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह से हटा दिया गया था। आतिशी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति के सदस्य और आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार को न तो बैठकों में बुलाया गया और न ही समिति की मसौदा रिपोर्ट भेजी गई। आतिशी ने चेतावनी देते हुए कहा, "अगर संजीव झा, कुलदीप कुमार, सोमदत्त और जरनैल सिंह सहित चार विधायकों का असंवैधानिक निलंबन रद्द नहीं किया गया, तो आगामी बजट सत्र में आम आदमी पार्टी का कोई भी विधायक भाग नहीं लेगा।

महिपालपुर में एलपीजी जमाखोर 74 सिलेंडर के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, (भाषा)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर में एलपीजी सिलेंडर की कथित रूप से जमाखोरी करके उन्हें अधिक कीमत पर बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कृष्णा, दिनेश साहू और मिथिलेश के रूप में हुई, जिनकी उम्र क्रमशः 33, 46 और 39 वर्ष है। ए सभी बिहार के मूल निवासी हैं लेकिन दिल्ली में रहते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि छावेमारी में पुलिस ने 74 एलपीजी सिलेंडर (70 घरेलू और चार वाणिज्यिक) के साथ-साथ एक परिवहन वाहन और रीफिलिंग उपकरण जब्त किए। अधिकारी ने बताया, तीनों आरोपी अवैध रूप से एलपीजी सिलेंडर जमा कर रहे थे और बिना बिल या लाइसेंस के स्थानीय ग्राहकों को इनकी आपूर्ति कर रहे थे।

दिल्ली में तीन अस्पतालों को एकीकृत कर एम्स जैसा संस्थान बनाने की योजना: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि गुरु तेग बहादुर अस्पताल, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को एम्स जैसे संस्थान के रूप में एकीकृत करने के प्रस्तावित कदम से राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ स्नातकोत्तर और एमबीबीएस सीट में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।सरकारी बयान के अनुसार, दिल्ली सरकार एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त चिकित्सा निकाय बनाने के लिए तीनों अस्पतालों का विलय करने की योजना बना रही है। इसमें यह भी कहा गया कि मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस) को दूसरे राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएनएचएस-2) के रूप में विकसित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों के एकीकरण संबंधी पहल का एक प्रमुख उद्देश्य स्नातकोत्तर और एमबीबीएस सीट की संख्या बढ़ाना है ताकि अधिक डॉक्टरों को विशेष प्रशिक्षण मिल सके और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार हो सके। गुप्ता ने कहा, संस्थानों को एकीकृत करके, हम संकाय, बुनियादी ढांचे और उन्नत चिकित्सा उपकरणों का इष्टतम उपयोग कर पाएंगे, जिससे विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण अवसर और (मरीजों के लिए) बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित होगी।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण स्थगित की गई माता वैष्णो देवी यात्रा फिर शुरू

जम्मू, (भाषा)। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी के गुफा मंदिर की यात्रा अस्थाई स्थगन के बाद रविवार को फिर से शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने शनिवार को भवन क्षेत्र में भारी भीड़ के मद्देनजर यात्रा अस्थाई रूप से रोक दी थी। दोपहर बाद तक करीब 39,000 श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे, जिसके चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया।चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू हुई है और 27 मार्च को समाप्त होगी।श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, "भवन में अत्यधिक भीड़ के कारण यात्रा अस्थाई रूप से स्थगित की गई थी, जिसे अब फिर से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कटरा में रविवार सुबह से यात्रा के लिए पंजीकरण भी दोबारा शुरू हो गया।

शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के निकट 23 लाख रुपए की लूट, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (भाषा)। उत्तरी दिल्ली के शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के निकट एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के एक कर्मचारी से 23 लाख रुपए लूटने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, लूट की इस घटना को कंपनी के किसी कर्मचारी की ओर से मुहैया कराई गई सूचना के आधार पर अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि 23 फरवरी को कुलदीप शर्मा (28) केशव पुरम से नकदी लेकर किशनगंज स्थित अपने कार्यालय लौट रहे थे, तभी शाम करीब 7:40 बजे शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के निकट बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया, उन पर बंदूक तान दी और नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। इसने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि दोनों लुटेरे शुरू से ही शर्मा का पीछा कर रहे थे, जबकि तीसरा साथी बीच रास्ते में अलग हो गया था। उसकी पहचान राजस्थान निवासी कालाराम के रूप में हुई है, जो अभी फरार है। पुलिस ने नौ मार्च को भलस्वा डेरी से 31 वर्षीय मोनू को गिरफ्तार किया, जिसके पास से एक पिस्तौल, एक कारतूस और 3.95 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, "मोनू और फरार आरोपी ने लूट की साजिश रची थी। उसी ने वारदात में इस्तेमाल हथियार और मोटरसाइकिल का इंतजाम भी किया था।पुलिस ने बताया कि मोनू की निशानदेही पर पुलिस ने 19 मार्च को मंगोलपुरी से 39 वर्षीय संदीप को भी गिरफ्तार किया, जो वारदात के समय बाइक चला रहा था। उसके पास से लूट की रकम में से पांच लाख रुपए बरामद हुए। इसके अलावा, आरोपियों की सूचना पर 30 वर्षीय सागर को भी पकड़ा गया, जिससे सात लाख रुपए और बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, अब तक कुल 15.95 लाख रुपए बरामद किए जा चुके हैं।

पंजाब पुलिस ने 24 किलोग्राम से अधिक हेरोइन, 21 लाख रुपए बरामद किए

चंडीगढ़, (भाषा)। पंजाब पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में सीमा पार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और तीन लोगों के पास से 24.5 किलोग्राम हेरोइन और 21.5 लाख रुपए की नकदी बरामद की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी के पाकिस्तान में बैठे आकाओं से संबंध थे। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान जगजीत सिंह उर्फ राणा, मनप्रीत सिंह और रोशन सिंह के रूप में हुई है और ए सभी अमृतसर के निवासी हैं। डीजीपी ने बताया कि उनके कब्जे से एक ड्रोन भी बरामद किया गया है और मामले की जांच जारी है।

निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले बंगाल में निगरानी बढ़ाई

कोलकाता, (भाषा)। पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है।उन्होंने बताया, वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अधिकारी ने बताया कि पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें। उन्होंने बताया, हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है।

अधिकारी आत्महत्या मामला: पंजाब के पूर्व मंत्री भुल्लर, उनके पिता समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

चंडीगढ़, (भाषा)। पंजाब में भंडारण निगम के एक अधिकारी की कथित आत्महत्या के सिलसिले में पुलिस ने राज्य के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अमृतसर में पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।पुलिस ने भुल्लर के पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और उनके निजी सहायक दिलबाग सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 351 (3) (आपराधिक धमकी) और 3 (5) (साझा इरादा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला अमृतसर के रणजीत एवेन्यू पुलिस थाने में रंधावा की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत पर शनिवार रात दर्ज किया गया। अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों के बीच, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था जिसमें रंधावा को यह कहते सुना जा सकता है कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया है। रंधावा ने वीडियो में भुल्लर पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। रंधावा के पास पट्टी का अतिरिक्त प्रभार भी था।रंधावा को वीडियो में यह कहते सुना गया, खा लई सल्फास तुहाडे यार ने। मिनिस्टर लालजीत भुल्लर दे डर तों। हुण नहीं मैं बचना (तुम्हारे दोस्त ने सल्फास खा लिया है, मंत्री लालजीत भुल्लर के डर से। अब मैं नहीं बचूंगा)। तरनतारन जिले के पट्टी से विधायक भुल्लर ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को निराधार बताया।

राजस्थान में बदलेगा शिक्षा का अंदाज, लाडू , रोटलो एवं मोटो बापो जैसे स्थानीय शब्द होंगे शामिल

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान में स्थानीय भाषा को बढ़ावा देने के लिए सरकारी विद्यालयों में अब लड्डू की जगह लाडू , रोटी की जगह रोटलो , बड़े पापा की जगह मोटो बापो और रुपया की जगह पिया जैसे स्थानीय शब्दों को शामिल कर छात्रों के लिए पढ़ाई को अधिक रोचक और सहज बनाया जाएगा। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (आरएससीई आरटी) की निदेशक श्वेता फगेडिया ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शिक्षा विभाग ने राजस्थान में बहुभाषी शिक्षा परियोजना शुरू की है जिसके तहत बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में पढ़ाया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस परियोजना को फिलहाल राज्य के 11 जिलों में क्रियान्वित करने की योजना है और बाद में इसे चरणबद्ध रूप से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा ।निदेशक ने बताया कि आरएससीईआरटी ने शिक्षा में भाषाई अंतर को समझने के लिए दो चरण में बोलियों का सर्वेक्षण कराया था। उन्होंने बताया कि पहले चरण में नौ जिलों प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौडगढ़, राजसमंद, पाली, सिरोही और उदयपुर में यह सर्वेक्षण किया गया जिसमें 20,298 प्राथमिक विद्यालयों के पहली कक्षा के 2,43,532 विद्यार्थियों के शिक्षकों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण में इन जिलों में बोली जाने वाली 31 से अधिक बोलियों की पहचान की गई जिसमें सामने आया कि बागड़ी और मेवाड़ी विद्यार्थियों द्वारा सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में 24 जिलों में एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण के लिए डेटा इन जिलों में कक्षा एक को हिंदी भाषा पढ़ाने वाले शिक्षकों ने भरा। सर्वेक्षण में इन जिलों के 250 खंड में 41,686 विद्यालयों के कक्षा एक में पढ़ने वाले 3,66,782 विद्यार्थियों को शामिल किया गया।

स्कूल के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपए मंजूर

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में स्कूल के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई यह सहायता राज्य में शैक्षिक ढांचे को मजबूत करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, आधुनिक और अनुकूल शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इस सहयोग से शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार होंगे।

दिल्ली के जनकपुरी में कार की टक्कर से कांस्टेबल घायल, चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली,(भाषा)। दिल्ली के जनकपुरी इलाके में वाहनों की जांच के दौरान एक कार चालक ने भागने की कोशिश की और इसी दौरान दिल्ली यातायात पुलिस का एक कांस्टेबल टक्कर लगने से घायल हो गया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया और आरोपी चालक नीलेश कुमार को गिरफ्तार किया है, जो दिल्ली के द्वारका के बागडोला इलाके का निवासी है। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार शाम को लाल साई मार्ग पर भारती कॉलेज के निकट हुई, जब यातायात कर्मी शराब पीकर गाड़ी चलाने पर अंकुश लगाने के लिए नियमित जांच कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक गुरदीप सिंह और कांस्टेबल मोहन पाल की टीम ने संदेह होने पर एक कार को रुकने का इशारा किया। हालांकि, चालक ने कथित तौर पर भागने की कोशिश की और इस दौरान उसने वाहन से कांस्टेबल को टक्कर मार दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, कांस्टेबल को सामने से टक्कर लगी और वह कार के बोनट पर गिर पड़े, जिसके बाद कुछ मीटर आगे जाकर वह सड़क पर जा गिरे। पुलिस ने बताया कि यातायात कर्मियों की शिकायत के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उसने बताया कि घायल कांस्टेबल को चिकित्सा उपचार दिया गया है।

सई मांजरेकर

नई दुनिया में कदम रखने जा रही मौजूदा वक्त से पूरी तरह अलग

बॉलीवुड अभिनेत्री सई एम. मांजरेकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। सई एम. मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह एक प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं।यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी गहन, चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सई ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नज़रिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय को सही तरीके से पर्दे पर दिखा सकें। अपने अनुभव के बारे में सई ने कहा कि यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है। खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता। इसमें बहुत तैयारी करनी पड़ती है - उस समय के बारे में पढ़ना, रिसर्च करना, यह समझना कि लोग कैसे रहते थे, कैसे बात करते थे, कैसे खुद को प्रस्तुत करते थे और अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त करते थे। उस दौर में हर चीज़ एक अलग अनुशासन और सादगी से जुड़ी होती थी, जो आज की दुनिया से काफी अलग है। सई ने कहा कि मुझे सबसे ज़्यादा इस प्रक्रिया की बारीकियां आकर्षित करती हैं। आपकी बॉडी लैंग्वेज, बैठने-उठने का तरीका, कमरे में प्रवेश करने का अंदाज़ या बिना कुछ कहे प्रतिक्रिया देना - कुछ भी आधुनिक नहीं लगना चाहिए। इसके लिए आपको अपनी कई आदतों को छोड़कर एक नई शारीरिक और भावनात्मक शैली अपनानी पड़ती है। यह मुश्किल ज़रूर है, लेकिन यही इसे खास बनाता है। एक अभिनेता के तौर पर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो मुझे एक अलग दौर को समझने और खुद को बेहतर बनाने का मौका दे रही है। इस प्रोजेक्ट को लेकर सई काफी उत्साहित हैं और उनका मानना है कि इस फिल्म ने उन्हें धैर्य, अनुशासन और अभिनय के कई अहम पहलू सिखाए हैं।

शाहरुख खान ने ईद की बधाई दी

अभिनेता शाहरुख खान ने ईद के अवसर पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को बधाई दी। अभिनेता ने शनिवार शाम को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में वह हरे रंग की शेरवानी और गहरे रंग का सलवार पहने हुए सलाम करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, आपको और आपके परिवार को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं, यह ईद शांतिपूर्ण और मुबारक हो। सभी को प्यार और रोशनी मिले, हमारी दुआएं पूरी हों ईद मुबारक। खान अपनी आगामी फिल्म किंग में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद हैं। फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

ईद पर जरीन खान दुखी इजरायल-ईरान के बीच चल रही जंग में मासूम लोगों की मौत से टूटी

सलमान खान की फिल्म 'वीर' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली जरीन खान भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। अभिनेत्री जरीन खान ने हाल ही में बताया था कि उनकी मां की तबीयत बहुत गंभीर है और वे आईसीयू में भर्ती हैं। हालांकि, अब ईद के पाक दिन भी अभिनेत्री दुखी हैं। उनका कहना है कि दुनिया में जो कुछ चल रहा है, वो उन्हें अंदर से तोड़ रहा है। ईद के मौके पर जरीन खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर अपना दुख जाहिर किया है। अभिनेत्री का मानना है कि विश्व में होने वाली घटनाओं से सभी को प्रभावित होना चाहिए और अगर ऐसा नहीं है तो इंसानियत कम हो रही है। उन्होंने कहा, 'ईद सेलिब्रेट करने का मन नहीं कर रहा है, लेकिन थोड़ी सी तैयार हुई हूं, लेकिन मेरा मन अंदर से बहुत दुखी है। मां की तबीयत बहुत खराब है और साथ ही विश्व में जो कुछ हो रहा है, वो तोड़ देने वाला है। 'अभिनेत्री ने आगे कहा, 'लोगों का कहना है कि मुझे फर्क नहीं पड़ना चाहिए, लेकिन क्यों न पड़े? जो मासूम लोग मारे जा रहे हैं, वो हमारे ही लोग हैं। मैं किसी धर्म की बात नहीं कर रही, बल्कि इंसानियत की बात कर रही हूं। वे भले ही हमसे बहुत दूर हैं, लेकिन फर्क पड़ना चाहिए क्योंकि मासूम और बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं।' जरीन खान के वीडियो से साफ है कि वह इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से दुखी हैं।बता दें कि अभिनेत्री की मां की तबीयत काफी समय से खराब चल रही है और वे काफी समय से अस्पताल में भी थीं, लेकिन फिलहाल वे अस्पताल से डिस्चार्ज होकर आ गई हैं, लेकिन स्थिति में कुछ खास सुधार नहीं है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया था कि जिंदगी उस मोड़ पर है कि टूटने का भी कोई ऑप्शन नहीं है, क्योंकि मां और छोटी बहन उन्हीं के सहारे हैं और वह घर की बड़ी बेटी हैं। ऐसे में जो भी हो जाए, खुद को संभालना ही होगा।

कोहिमा ट्रिप पर शबाना आजमी ने शेयर की जावेद अख्तर संग खूबसूरत तस्वीर

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा शबाना आजमी और मशहूर लेखक-गीतकार जावेद अख्तर का रिश्ता लंबे समय से लोगों के लिए मिसाल रहा है और समय के साथ दोनों का प्यार और ये रिश्ता गहरा होता जा रहा है। इसका अंदाजा शबाना आजमी की सोशल मीडिया पोस्ट से लगाया जा सकता है। हाल ही में दोनों कोहिमा की शानदार यात्रा पर गए। अभिनेत्री ने जावेद के साथ अपनी इस यात्रा की खूबसूरत तस्वीर शेयर की। शबाना ने इंस्टाग्राम पर जावेद के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'सुंदर किग्वेमा गांव में साफ-सुथरा और समुदाय के सहयोग से चलने वाला है। हमें यहां कुछ खूबसूरत नागा लोक नृत्य देखने को मिले और स्वादिष्ट स्थानीय भोजन का भी आनंद मिला। गाइडेड टूर के लिए धन्यवाद।' किग्वेमा बहुत खूबसूरत गांव है, जो नगालैंड के कोहिमा में स्थित एक ऐतिहासिक और सुंदर अंगामी नागा गांव है, जो कोहिमा से लगभग 15 किमी दक्षिण में स्थित है। यह पारंपरिक नागा वास्तुकला, समृद्ध संस्कृति और हॉर्नबिल फेस्टिवल के लिए प्रसिद्ध किसामा हेरिटेज विलेज के निकट होने के लिए जाना जाता है।

साउथ में छा गए पवन कल्याण, 'उस्ताद भगत सिंह' ने तीन दिन में 'धुरंधर 2' को पछाड़, किया इतना बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'उस्ताद भगत सिंह' सिर्फ तेलुगू में रिलीज हुई है. लेकिन फिल्म ने वहां शानदार ओपनिंग की और 3 दिनों जबरदस्त कलेक्शन किया है. आइए जानते हैं इसके बारे में। पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह' को मिक्स रिव्यूज मिले. फिल्म तेलुगू में रिलीज हुई है और अच्छा परफॉर्म कर रही है. फिल्म ने पहले दिन 34.75 करोड़ का कलेक्शन किया था. आइए जानते हैं अब तीसरे दिन फिल्म ने कितना कमाया है। फिल्म ने तीसरे दिन 9.15 करोड़ की कमाई की है। फिल्म को 36 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली। 3340 शोज पर फिल्म चल रही है। फिल्म के तीसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियल नहीं आए हैं पर अगर फिल्म ने तीसरे दिन 9.15 करोड़ कमाए हैं तो अभी तक टोटल कलेक्शन 52.90 करोड़ हो गया है. फिल्म ने 3 दिन में 50 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली है। फिल्म को तीसरे दिन ओवरऑल 36.46 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. मॉर्निंग में फिल्म को 21 परसेंट, दोपहर में 39.92 परसेंट, शाम में 43.36 परसेंट, रात में 41.46 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली। वहीं बता दें कि 'धुरंधर 2' ने तीसरे दिन तेलुगू भाषा में 5 करोड़ की कमाई की है।

शिल्पा शेट्टी ने देखी 'धुरंधर 2' रणवीर सिंह को कहा 'बब्बर शेर', फिल्म को बताया 'पैसा वसूल'

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचा रही है। आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस लिस्ट में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का भी नाम शामिल हो चुका है। 'धुरंधर 2' देखने के बाद शिल्पा ने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने फिल्म की तारीफ की और सभी को इसे देखने की सलाह दी है। शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि फिल्म में हर एक्टर ने अपना दिल और जान लगा दी है और हर फ्रेम में यह साफ दिखता है। शिल्पा ने रणवीर सिंह को 'पावरहाउस' और 'बब्बर शेर' बताया। उन्होंने कहा कि रणवीर ने हमजा के किरदार में अपनी पूरी आत्मा डाल दी है। संगीतकार एआर रहमान की तारीफ करते हुए शिल्पा ने उन्हें 'क्लास एक्ट' कहा और उनकी समझदारी को सीखने लायक बताया। शिल्पा ने अर्जुन रामपाल को 'खतरनाक' और 'मैग्नेटिक' करार देते हुए कहा कि यह उनके अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शनों में से एक है। संजय दत्त को हर फ्रेम में रॉकस्टार जैसा बताया और कहा कि वे पूरी तरह छाए हुए हैं। शिल्पा ने राकेश बेदी की तारीफ में लिखा कि उनकी मौजूदगी असली कला का सबूत है और उनकी यात्रा क्रिएटिव जस्टिस जैसी लगती है। उन्होंने पूरी कास्ट की प्रशंसा की और कहा कि हर किरदार इतनी खूबसूरती से उकेरा गया है कि हर कोई इसे अपना बना लेता है। शिल्पा ने निर्देशक आदित्य धर को 'इस समय का हीरो' कहा। उन्होंने उनकी कहानी कहने की ईमानदारी, स्केल और शैली की तारीफ की, साथ ही फिल्म को धुरंधर और 'कल्ट' बनने लायक बताया। फिल्म में देशभक्ति का तड़का है जो भावुक भी करता है और मनोरंजन भी देता है। शिल्पा ने लिखा कि मल्टीप्लेक्स के दौर में यह फिल्म सिंगल-स्क्रीन वाली एनर्जी लाती है, सीटियां, तालियां, और रोंगटे खड़े करने वाली फीलिंग आ जाती है।

अक्षय कुमार और राजपाल यादव ने स्पेशल एपिसोड में नागिन के सेट पर 'भूत बंगला' का चलाया जादू!

बहुप्रतीक्षित 'भूत बंगला' को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। फिल्म के गाने और टीज़र ने वाकई दर्शकों को इस मस्ती भरी फैमिली एंटरटेनर के बारे में और जानने के लिए उत्साहित रखा है। इसी हलचल के बीच, अक्षय कुमार और राजपाल यादव शो 'नागिन' के सेट पर पहुंचे। जैसे-जैसे 'भूत बंगला' का क्रेज बढ़ रहा है, अक्षय कुमार और राजपाल यादव ने 'नागिन' में एक स्पेशल अपीयरेंस दी। चल रहे एपिसोड में, अक्षय ने नागिन का मार्गदर्शन करने के लिए एक 'महा नाग' की भूमिका निभाई। नागिन की टीम की तरफ से दोनों कलाकारों का भव्य स्वागत किया गया, जो देखने में वाकई एक बेहद खास पल था। 'भूत बंगला' के साथ अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की वो सुपरहिट जोड़ी वापस लौट रही है जिसका फैंस को लंबे समय से इंतज़ार था। इस जोड़ी ने पहले भी कई ऐसी यादगार कॉमेडी फिल्में दी हैं जो आज भी सबकी फेवरेट हैं, इसीलिए इस बार दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। अपनी ज़बरदस्त कॉमिक टाइमिंग और मज़ेदार कहानियों के लिए मशहूर इस जोड़ी के साथ आने से एक और धमाकेदार एंटरटेनर की उम्मीदें बढ़ गई हैं। ?बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक हिस्सा) और केप ऑफ गुड फिल्म्स की पेशकश 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तबू और राजपाल यादव जैसे शानदार कलाकार नज़र आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है और इसके प्रोड्यूसर्स अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

(साभार एजेंसी)

भारतीय टीम की मेजबानी की तैयारी में जुटा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड...

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लेते हुए सितंबर में प्रस्तावित अपनी टीम के आयरलैंड दौरे को टाल दिया है. बीसीबी ने ये फैसला भारत के खिलाफ लंबे समय से लंबित व्हाइट बॉल सीरीज के मद्देनजर लिया है. यह सीरीज टीम के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले बेहद अहम मानी जा रही है. हालांकि भारत का यह दौरा अभी अंतिम रूप से तय नहीं है. इसे भारत सरकार की मंजूरी मिलना बाकी है और हालिया कूटनीतिक परिस्थितियों के चलते इस पर अंतिम निर्णय लिया जाना है. अगर सरकार से मंजूरी मिली, तो भारतीय टीम 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी. इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाने हैं. वनडे मुकाबले 1, 3 और 6 सितंबर को आयोजित होंगे. जबकि टी20 सीरीज के मुकाबले 9, 12 और 13 सितंबर को होने हैं. यह व्हाइट बॉल सीरीज मूल रूप से 2025 में होनी थी।

पाकिस्तानी शो विवाद पर सुनील गावस्कर ने तोड़ी चुप्पी, आलोचना पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान पाकिस्तानी क्रिकेट शो में जाने को लेकर हो रही आलोचना पर खुलकर जवाब दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वह उस शो में गए थे, लेकिन इसके लिए उन्होंने कोई पैसा नहीं लिया था। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया।

चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान पाकिस्तानी शो में आए थे नजर- चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दुबई में पाकिस्तान के शो में पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुए थे। इस शो के प्रसारण के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनकी आलोचना की और उनके रुख पर सवाल उठाए। खासकर तब जब उन्होंने भारतीय मालिकों वाली टीमों द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों को

साइन करने पर आपत्ति जताई थी।

'मैंने शो के लिए कोई पैसे नहीं लिए'- आलोचना के बाद गावस्कर ने सफाई देते हुए कहा, 'मैं दुबई में जो शो करने गया था, उसके लिए मैंने न तो कोई फीस मांगी और न ही मुझे कोई भुगतान किया गया।' उन्होंने यह भी कहा कि वह टूर्नामेंट्स में कमेंट्री करते हैं, और इन टूर्नामेंट्स की कमाई सभी सदस्य देशों में बांटी जाती है। इसलिए यह कहना गलत है कि वह किसी एक देश से पैसा ले रहे थे।

भारतीय मालिकों और पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर दिया बड़ा बयान- गावस्कर ने कहा कि अगर किसी विदेशी लीग की टीम भारतीय कंपनी या भारतीय मालिक की है, तो उसे पाकिस्तानी खिलाड़ियों को साइन करने से बचना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया ऐतिहासिक 4 टेस्ट सीरीज के लिए करेगा न्यूजीलैंड की मेजबानी

मेलबर्न (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार चार-मैच की टेस्ट सीरीज और बांग्लादेश के ख़िलाफ दो-टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया की बिजी इंटरनेशनल गर्मियों की खास बातें हैं, जिसमें 14 जगहों पर पुरुषों और महिलाओं के क्रिकेट के 27 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। सीजन की

शुरुआत उत्तर में बांग्लादेश के अगस्त में डार्विन और मैके में दो टेस्ट मैचों के दौरे से होगी, जिसके बाद महिलाओं की टीम के लिए तीन वनडे और तीन टी20 मैचों का एक व्हाइट-बॉल लेग होगा, जो सभी ब्रिस्बेन और सिडनी में होस्ट किए जाएंगे। नवंबर में इंग्लैंड का व्हाइट-बॉल टूर होगा, जिसमें तीन मेन्स वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज़ शामिल है। वनडे पर्थ, एडिलेड और होबार्ट में खेले जाएंगे, जबकि टी20 मेलबर्न, गोल्ड कोस्ट, ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में होंगे। गर्मियों का सबसे खास समय न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक चार-टेस्ट सीरीज के आसपास रहेगा, जो दिसंबर की शुरुआत से जनवरी की शुरुआत तक चलेगी। चार टेस्ट पर्थ, एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे।

इसके बाद महिला टीम फरवरी और मार्च में तीन टी20 और तीन वनडे के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी, जिसके बाद गर्मियों का अंत 11 से 15 मार्च तक एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मेन्स टीमों के बीच एक बार के 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट के साथ होगा।

युवा क्रिकेटर ने रचा इतिहास, 15 साल की फैनी उटागुशिमानिंदे ने डेब्यू टी-20 मैच पर जड़ा शतक

नाईजीरिया (एजेंसी)। क्रिकेट इतिहास में ऐसे पल कम ही आते हैं, जब कोई युवा खिलाड़ी अपनी पहली ही अंतरराष्ट्रीय पारी में ऐसा कमाल कर दे कि पूरी दुनिया उसका नाम याद रखे। रवांडा की 15 वर्षीय बल्लेबाज़ फैनी उटागुशिमानिंदे ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। नाइजीरिया में खेले गए महिला टी-20 टूर्नामेंट में उन्होंने अपने डेब्यू मैच में शतक जड़कर न सिर्फ रिकॉर्ड बुक में जगह बनाई, बल्कि यह साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। उनकी यह पारी अब उभरते क्रिकेटरों के लिए नई प्रेरणा बन चुकी है।

डेब्यू मैच में ऐतिहासिक शतक - फैनी उटागुशिमानिंदे ने नाइजीरिया इनविटेशनल विमेंस टी-20 में घाना के खिलाफ खेलते हुए 65 गेंदों पर नाबाद 111 रन बनाए। इस शानदार पारी में उन्होंने 17 चौके लगाए और पूरे मैच में विपक्षी गेंदबाज़ों पर दबदबा बनाए रखा। खास बात यह रही कि उन्होंने सिर्फ 15 साल और 223 दिन की उम्र में यह कारनामा किया, जो उन्हें टी20 इंटरनेशनल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली खिलाड़ी बनाता है।

रिकॉर्ड्स की झड़ी

- महिला टी-20 डेब्यू में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी
- टी-20 में सबसे कम उम्र में शतक
- डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक

इससे पहले यह रिकॉर्ड करेन रोल्टन के नाम था, जिन्होंने 2005 में 96* रन बनाए थे। वहीं सबसे कम उम्र में शतक का रिकॉर्ड प्रोस्कोविया अलोका के पास था, जिसे अब फैनी ने पीछे छोड़ दिया।

साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 19 रन से हराया

चौथे टी-20 में एस्टरहुइजन की फिफ्टी, कूट्जी ने 3 विकेट लिए, सीरीज 2-2 से बराबर

वेलिंग्टन (एजेंसी)। वेलिंगटन में खेले गए चौथे टी-20 में साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। पांचवां मैच हेग्ले ओवल में 25 मार्च को खेला जाएगा। रविवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 164/5 का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई।

- **एस्टरहुइजन के 57 रन -** साउथ अफ्रीका के लिए कॉनर एस्टरहुइजन ने 36 गेंद में 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा रुबिन हरमन ने नाबाद 28 रन जोड़े। अंत में जॉर्ज लिंडे ने तेज 14 रन बनाकर टीम को 160 के पार पहुंचाया। न्यूजीलैंड की ओर से काइल जैमीसन ने शुरुआत में विकेट मेडेन डालकर दबाव बनाया। बाद में बेन सीयर्स ने भी कसी हुई गेंदबाजी की और आखिरी ओवर में सिर्फ 2 रन दिए।

न्यूजीलैंड की तेज शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को टिम रॉबिन्सन और डेब्यू कर रहे कैप्टन क्लार्क ने तेज शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में टीम ने 63/2 का स्कोर बना लिया था। रॉबिन्सन ने 32 रन बनाए, जबकि डेन क्लेवर ने भी कुछ अच्छे शॉट लगाए।

- **साउथ अफ्रीका ने लगातार 3 विकेट लिए -** मध्य ओवर में साउथ अफ्रीका ने मैच पर पकड़ बना ली। टीम ने लगातार विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 96/5 पर रोक दिया। प्रेनेलन सुब्रायन ने क्लेवर और बेवन जैकब्स को आउट किया, जबकि ओटनील बार्टमैन और केशव महाराज ने भी अहम विकेट लिए। आखिरी ओवरों में न्यूजीलैंड की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। जेराल्ड कूट्जी ने 3 विकेट लेकर जीत पक्की की और 19वें ओवर में आखिरी विकेट लेकर मैच खत्म किया।

पूर्व ओपनिंग पार्टनर पर वीरेंद्र सहवाग का बड़ा बयान

मुझे स्ट्राइक दो, मुझसे मुकाबला मत करो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज सहवाग का एक पुराना बयान इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस बयान में उन्होंने अपने पूर्व ओपनिंग पार्टनर मनन वोहराको लेकर जो बात कही, उस पर फैंस की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ लोग सहवाग का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ ने उनके बयान को 'सेल्फिश' बताया है।

सहवाग ने मनन वोहरा को क्या कहा था- एक इंटरव्यू के दौरान सहवाग ने बताया कि जब वह पंजाब के लिए खेलते थे, तब वह मनन वोहरा के साथ ओपनिंग करते थे। उस समय उन्होंने मनन वोहरा से कहा था कि वह उनसे मुकाबला करने की कोशिश न करें, बल्कि स्ट्राइक रोटेट करें। सहवाग ने कहा, 'जब मैं मनन वोहरा के साथ ओपनिंग करता था, तो वह मेरे साथ मुकाबला करने की कोशिश करते

थे। मैं उन्हें समझाता था कि आपका काम मुझसे कंपटीशन करना नहीं है, आपका काम मुझे स्ट्राइक देना है ताकि मैं पावरप्ले का फायदा उठा सकूं।'

'दिमाग का इस्तेमाल करो' - सहवाग- सहवाग ने आगे कहा कि उन्होंने मनन वोहरा से कहा था कि अगर उनका स्ट्राइक रेट ज्यादा है, तो उन्हें ज्यादा गेंदें खेलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में टीम के हित को ध्यान में रखकर खेलना चाहिए। सहवाग के अनुसार, 'आंकड़े खराब हो सकते हैं, लेकिन दिमाग खराब नहीं होना चाहिए। अगर किसी खिलाड़ी का स्ट्राइक रेट 200 है, तो दूसरे बल्लेबाज को स्ट्राइक उसे देनी चाहिए, ताकि टीम ज्यादा रन बना सके।'

- **सोशल मीडिया पर फैंस की मिली-जुली प्रतिक्रिया-** सहवाग का यह बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कुछ फैंस ने कहा कि सहवाग का बयान टीम के हित में था, क्योंकि वह पावरप्ले में तेजी से रन बना सकते थे। वहीं कुछ लोगों ने उनकी तुलना सचिन और राहुल जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से करते हुए कहा कि बड़े खिलाड़ी हमेशा अपने साथी खिलाड़ियों को सपोर्ट करते हैं, न कि इस तरह की बात करते हैं।

वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप

अमेरिका के जॉर्डन एंथनी का गोल्ड

- **60 मीटर की दौड़ 6.41 सेकंड में पूरा किया; नौ महीने पहले फुटबॉल छोड़ा**

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रैक एंड फील्ड की दुनिया में एक नई स्प्रिंट सनसनी उभरकर सामने आई है। अमेरिका के 21 वर्षीय जॉर्डन एंथनी ने वर्ल्ड इंडोर चैम्पियनशिप की 60 मीटर दौड़ में गोल्ड जीतकर न सिर्फ इतिहास रचा, बल्कि अपनी संघर्ष भरी कहानी से सभी को प्रेरित भी किया।

एंथनी ने 6.41 सेकंड का समय निकाला, जो इतिहास का चौथा सबसे तेज समय है। रेस से सिर्फ 36 घंटे पहले उन्हें गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा था। पोलैंड पहुंचने के बाद डोप टेस्ट के दौरान एक अधिकारी ने जब खून लिया तो सुई नस में नहीं लगी, बल्कि बाहर लग गई, जिससे उनके हाथ में ब्लड क्लॉट हो गया।

नौ महीने पहले फुटबॉल छोड़कर चुना एथलेटिक्स

जॉर्डन एंथनी की कहानी और भी खास इसलिए है क्योंकि उन्होंने महज नौ महीने पहले ही पेशेवर एथलेटिक्स में कदम रखा है। इससे पहले वे कॉलेज फुटबॉल में अर्कांसस रेजरबैक्स टीम से खेलते थे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने एनएफएल का सपना क्यों छोड़ा, तो उन्होंने साफ कहा, 'क्योंकि यहां कोई मुझे टक्कर मारने के लिए मेरी तरफ नहीं दौड़ रहा है।'

'अपना गेम अपग्रेड करो और कमजोरी पर काम करो'

वैभव सूर्यवंशी को इरफान पठान ने दी सलाह, कहा- रन बनाना होगी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में सबकी निगाहें इस बात पर टिकी रहने वाली है कि इस सीजन में खेलने वाला सबसे कम उम्र का बैटर क्या कमाल करता है। पिछले सीजन में वैभव को राजस्थान रॉयल्स के लिए ओपन करने का मौका मिला और उन्होंने क्या कुछ किया ये सबने देखा था। क्या वैभव उसी अंदाज में इस सीजन में बल्लेबाजी करेंगे या फिर उन्हें इस बात दिक्कतों का सामना करना होगा। वैभव को आईपीएल 2026 में किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है इसके बारे में टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने बताया। इरफान ने वैभव को आगाह किया कि अब सबकी नजर उन पर रहने वाली है और अब वो किसी के लिए अनजान नहीं हैं। ऐसे में गेंदबाज उनके खिलाफ पूरी तैयारी के साथ और ठोस रणनीति बनाकर मैदान पर उतरेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स के पास बहुत मजबूत टीम है, उम्मीद है कि यह साल उनका होगा : पूर्व क्रिकेटर इरफान

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स इस सीजन के शुरू होने पर आईपीएल टाइटल के लिए अपने 18 साल के इंतजार को खत्म करना चाहेंगे। जियोस्टार के 'आईपीएलटुडे लाइव' पर बात करते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट इरफान पठान और आकाश चोपड़ा ने अपने विचार शेयर किए कि पहले डीसी और पंजाब टीम को किन चीजों से दिक्कत हुई और 2026 में कौन सी टीम कागज पर ज्यादा मजबूत दिखती है जो आखिरकार इस बुरी किस्मत को तोड़ देगी।

आकाश चोपड़ा ने उन चुनौतियों के बारे में बताया जिनसे डीसी और पंजाब किंग्स जैसी टीमों को पहले भी परेशानी हुई है। उन्होंने कहा, जिसने भी कई ट्रॉफी जीती हैं, यहाँ तक कि गुजरात टाइटन्स भी, जो दो बार फाइनल में पहुंची और अपने पहले दो सालों में ट्रॉफी जीती, आप पाएंगे कि कंसिस्टेंसी और स्टेबिलिटी ने उन्हें सफल होने में मदद की। जहां कोई सफलता नहीं मिलती, वहां टीमें उसे पाने के लिए काट-छांट और बदलाव करती रहती हैं, यह सोचकर कि एक बार सफल हो जाने पर, वे स्टेबल हो जाएंगी। फिर यह मुर्गी और अंडे वाली स्थिति बन जाती है।

पंजाब और दिल्ली दोनों के साथ यही समस्या रही है। एक टीम के 15 कप्तान रहे हैं, दूसरी के 17। इसलिए, अगर आप अपना वर्तमान बदलना चाहते हैं, तो स्टेबिलिटी से कोई समझौता नहीं हो सकता। हमने अक्सर

देखा है कि बेहतर टीमें पहले या दूसरे मैच में ही अपने सबसे अच्छे कॉम्बिनेशन पर पहुंच जाती हैं, जबकि जो टीमें 25 में से लगभग 22 खिलाड़ियों का इस्तेमाल करके काट-छांट और बदलाव करती रहती हैं, वे टॉप के बजाय सबसे नीचे खत्म करती हैं।

ऑक्शन में डीसी के बेहतर प्रदर्शन पर चोपड़ा ने कहा, %आईपीएल को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि आपको रीबूट करने का मौका मिलता है। हर तीन साल बाद, एक बड़ा ऑक्शन होता है। दिल्ली को शाबाशी, क्योंकि 2019 से, वे लगातार वहीं या उसके आस-पास रहे हैं, और 2020 में फाइनल में पहुंचे। महिला टीम सभी चार आईपीएल सीजन में फाइनल तक पहुंची है। उन्होंने अपने ऑक्शन सही किए हैं और इस साल, मुझे लगता है कि उनके पास एक बहुत मज़बूत यूनिट है। इसलिए, उम्मीद है कि यह उनका साल हो सकता है।

पंजाब और दिल्ली के बीच कागज़ पर बेहतर दिखने वाली टीम पर उन्होंने कहा, कागज पर, मुझे लगता है कि दिल्ली एक ज़्यादा पूरी यूनिट है, जिसमें दो स्पिनरों को छोड़कर लगभग हर स्लॉट के लिए काफी बैकअप हैं, लेकिन आपको पूरे देश में भी अक्षर पटेल और कुलदीप के लिए बैकअप नहीं मिलेंगे।

इरफान पठान ने 2010 की शुरुआत में डीसी के सामने टैलेंट पहचानने की चुनौती के बारे में बताया, मैं तीन-तीन साल पंजाब और दिल्ली के साथ था। जब मैं दिल्ली में था, तो एरिक सिमंस, जो अब सीएसके के बॉलिंग कोच हैं, कोच थे, और स्टेबिलिटी लाने की कोशिश की गई थी। लेकिन जब आप एबी डिविलियर्स जैसे खिलाड़ियों को छोड़ देते हैं और आपके पास आंद्रे रसेल होते हैं, तो शुरू से शुरू करना आसान नहीं होता। मैं रसेल के साथ एक ही ड्रेसिंग रूम में खेला था और उसे और मौके देने के बारे में बहुत चर्चा हुई थी, लेकिन वे लगातार ढ्ढ में उसके लिए जगह नहीं बना पाए। इसलिए, टैलेंट की पहचान बहुत ज़रूरी है, और मुझे लगता है कि दिल्ली उस मामले में पीछे रह जाती थी।

ईरान ने इजराइली परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास मिसाइलें दागीं, ट्रंप ने दी चेतावनी

» काहिरा, भाषा।

ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कई लोग घायल हो गए। ए हमले इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। इन घटनाक्रमों से संकेत मिलता है कि युद्ध अपने चौथे सप्ताह की शुरुआत में एक खतरनाक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच देश में दबाव का सामना कर रहे ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने घर से सोशल मीडिया पर यह चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि ईरान को 48 घंटे में इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खोलना होगा, अन्यथा अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाएगा। रविवार तड़के ईरान ने चेतावनी दी कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर किसी भी हमले के जवाब में वह क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के ऊर्जा व बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। ईरान के सरकारी मीडिया ने एक सैन्य प्रवक्ता के हवाले से यह जानकारी दी। इजराइल पर ये हमले ऐसे समय हुए जब उसी दिन पहले तेहरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन केंद्र नतांज पर हमला हुआ था। इजराइली सेना ने कहा कि वह दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर गिरी मिसाइलों को रोक नहीं सकी। यह पहली बार था जब परमाणु केंद्र के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहीं। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यदि इजराइल डिमोना जैसे अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में भी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है, तो यह युद्ध के नए चरण में प्रवेश का संकेत है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि घटनास्थल पर और आपातकालीन दल भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह बेहद कठिन शाम है। बचावकर्मियों के अनुसार, अराद में सीधे हमले से कम से कम 10 अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान हुआ, जिनमें से तीन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर गिरने के खतरे में हैं। कम से कम 64 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। डिमोना, परमाणु अनुसंधान केंद्र से लगभग 20 किलोमीटर पश्चिम में है, जबकि अराद उससे करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। माना जाता है कि इजराइल पश्चिम एशिया का एकमात्र देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं, हालांकि उसने कभी इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा कि उसे इजराइली केंद्र को किसी नुकसान या असामान्य विकिरण स्तर की कोई सूचना नहीं मिली है।

ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरुमध्य खोले, अन्यथा ऊर्जा संयंत्र नेस्तनाबूद कर देंगे : ट्रंप

काहिरा, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। ट्रंप ने यह चेतावनी फ्लोरिडा में ससाहांत बिताने के दौरान सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने कहा कि ईरान को इस अहम जलमार्ग को खोलने के लिए ठीक 48 घंटे का समय दिया जा रहा है, अन्यथा उसे नए हमलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका विभिन्न ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट कर देगा और इसकी शुरुआत सबसे बड़े संयंत्र से होगी। तेल की कीमतों में तेजी के बीच ट्रंप पर इस जलडमरूमध्य को सुरक्षित कराने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

डिमोना को नतांज परमाणु संवर्धन केंद्र पर पहले हुए हमले के जवाब में निशाना बनाया

इजराइल के लिटिल इंडिया शहर पर ईरान के मिसाइल हमले में कम से कम 47 लोग घायल

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल के दक्षिणी डिमोना शहर पर ईरान के एक मिसाइल हमले में शनिवार को कम से कम 47 लोग घायल हो गए। बचाव सेवाओं ने यह जानकारी दी। यह शहर अपने परमाणु केंद्र के गुंबदनुमा ढांचे के लिए प्रसिद्ध है और इसे लिटिल इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। मेगन डेविड अदोम (एमडीए) बचाव सेवाओं और स्थानीय निवासियों ने पीटीआई को बताया कि घायलों में 12 वर्षीय एक लड़का भी शामिल है, जो छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि 30 वर्ष की आयु के आसपास की एक महिला कांच के टुकड़े लगने से घायल हो गई है जबकि 31 अन्य लोग छर्रों से हल्की चोट लगने या आश्रय स्थल की ओर भागते समय गिरने से घायल हो गए।

इसके अलावा 14 लोगों का बेर्शेबा के सोरोका अस्पताल में बेचैनी के लिए इलाज किया गया। एक स्थानीय निवासी ने बताया, मिसाइल एक सामुदायिक भवन पर गिरी और उसके प्रभाव से आसपास के पुराने मकान ढह गए। अधिकांश लोग आश्रय स्थलों में थे, इसलिए उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई, सिवाय उस लड़के के जो बाहर रह गया था। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बताया कि वह इस बात की जांच कर रहा है कि ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल को रोका क्यों नहीं जा सका। सेना के अनुसार, वायु रक्षा प्रणाली ने मिसाइल को रोकने की कोशिश की, लेकिन इंटरसेप्टर उसे मार गिराने में सफल नहीं हो सके। उसने कहा, इस घटना की जांच की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने हमले के बाद अधिकतम सैन्य संयम बरतने की अपील की। उसने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आईएईए को इजराइल के डिमोना शहर में मिसाइल गिरने की जानकारी है, लेकिन नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को नुकसान होने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। वहीं, ईरान ने कहा कि उसने डिमोना को नतांज परमाणु संवर्धन केंद्र पर पहले हुए हमले के जवाब में निशाना बनाया। हालांकि, आईडीएफ ने इस बात से इनकार किया कि उसने उसी दिन पहले नतांज पर हमला किया था। डिमोना में बड़ी भारतीय-यहूदी आबादी रहती है, जिनमें अधिकांश महाराष्ट्र से हैं और भारत से उनके मजबूत संबंध हैं। इसी कारण इस शहर को लिटिल इंडिया कहा जाता है। शहर में भारतीय दुकानों की भरमार है और हर जगह मराठी भाषा सुनाई देती है। भारतीय मूल के करीब 7,500 लोग यहां रहते हैं, जो शहर की आबादी का लगभग 30 प्रतिशत हैं। यहां क्रिकेट काफी लोकप्रिय है और युवा पीढ़ी सोनपापड़ी, गुलाब जामुन , पापड़ी चाट और भेलपुरी जैसे भारतीय व्यंजनों से अच्छी तरह परिचित है जो कई दुकानों पर उपलब्ध हैं।

बंगाली हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान के अत्याचारों को नरसंहार घोषित किया जाए : अमेरिकी सांसद

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें मांग की गई है कि पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों को युद्ध अपराध और नरसंहार माना जाए। ओहायो से डेमोक्रेट सांसद लैंड्समैन ने शुक्रवार को यह प्रस्ताव पेश किया, जिसे अब विदेश मामलों की समिति को भेज दिया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया।

उसकी सेना ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित उग्र इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूर्वी पाकिस्तान में ऑपरेशन सर्चलाइट नाम से एक व्यापक दमन अभियान शुरू किया, जिसमें नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया। इसमें यह भी कहा गया है कि 28 मार्च 1971 को ढाका में अमेरिका के महावाणिज्य दूत आर्चर ब्लड ने वाशिंगटन को चुनिंदा नरसंहार शीर्षक से एक टेलीग्राम भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, पाकिस्तानी सेना के समर्थन से गैर-बंगाली मुसलमान गरीब बस्तियों पर संगठित हमले कर रहे हैं और बंगालियों तथा हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं। लैंड्समैन ने बताया कि छह अप्रैल 1971 को आर्चर ब्लड ने अमेरिकी सरकार की चुप्पी पर आपत्ति जताते हुए एक संदेश भेजा था, जिस पर ढाका वाणिज्य दूतावास के 20 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इसे बाद में ब्लड टेलीग्राम के नाम से जाना गया। उस टेलीग्राम में कहा गया था, लेकिन हमने इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसमें दुर्भाग्यवश नरसंहार शब्द लागू होता है, एक संप्रभु देश का आंतरिक मामला है।

युद्ध में ईरान में मृतक संख्या 1,500 के पार पहुंची: सरकारी मीडिया

काहिरा, भाषा। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान में युद्ध के दौरान 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। सरकारी प्रसारणकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इस बीच, स्थानीय निवासियों ने कहा कि रमजान समाप्त होने के दौरान ईरान की राजधानी में भारी हवाई हमले हुए। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चौथे सप्ताह भी जारी रहने के बीच ईरान ने हिंद महासागर में ब्रिटेन-अमेरिका के एक संयुक्त सैन्य अड्डे को निशाना बनाया और ईरान के मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र पर फिर हमला किया गया। ईरान द्वारा लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित डिएगो गार्सिया हवाई अड्डे पर किए गए हमले से यह संकेत मिलता है कि तेहरान के पास ऐसी मिसाइलें हैं जो पहले स्वीकार की गई दूरी से कहीं अधिक दूर तक जा सकती हैं। युद्ध का असर पश्चिम एशिया से भी परे महसूस किया जा रहा है और इस युद्ध के कारण खाद्य पदार्थों एवं ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका और इजराइल के हमलों में ईरान को कितना नुकसान हुआ है या वहां कमान वास्तव में किसके हाथ में है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई इस भूमिका के लिए नामित किए जाने के बाद से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं।

न्यूज ब्रीफ

रूस और यूक्रेन के हमलों में चार लोगों की मौत

» कीव, भाषा।

रूस और यूक्रेन द्वारा शनिवार को किए गए हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमले युद्ध समाप्त करने के तरीके को लेकर अमेरिका-यूक्रेन वार्ता से पहले हुए। क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव ने बताया कि यूक्रेन के जापोरिजिया शहर में एक मकान पर एक रूसी ड्रोन द्वारा किए गए हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई जबकि दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, रूसी हमलों के कारण उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहिव क्षेत्र के अधिकतर हिस्से में बिजली आपूर्ति गुल हो गई।रूस के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लाडकोव ने बताया कि बेलगोरोड सीमा क्षेत्र में यूक्रेनी गोलाबारी में दो महिलाओं की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गई।

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि मियामी में अमेरिका-यूक्रेन वार्ता रचनात्मक थी। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हुए और ए जारी मध्यस्थता प्रयासों का हिस्सा थीं, जिनमें चर्चा का उद्देश्य व्यापक शांति समझौते के करीब पहुंचने के लिए शेष मुद्दों का समाधान करना था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार देर रात कहा कि उन्होंने रूस के हमलों को समाप्त करने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता में वार्ता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अपना एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका भेजा है।

इजराइली बस्तियों में रहने वाले लोगों ने वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों की कारें तोड़ी, आगजनी की

» रामल्ला, भाषा।

इजराइली बस्तियों में रहने वाले लोगों ने शनिवार की रात और रविवार की सुबह तक फलस्तीनी गांवों में जमकर उत्पात मचाया, गाड़ियां तोड़ीं, आगजनी की और कई लोगों को घायल कर दिया। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में हिंसा की यह एक नई घटना है। फलस्तीन समाचार एजेंसी वाफा ने रविवार को कम से कम छह बस्तियों में हुए हमलों की सूचना दी। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया कि जलुद गांव में कम से कम तीन फिलिस्तीनियों को पीटा गया, जिससे उनके सिर में चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सोसाइटी ने बताया कि इस हमले में कई फलस्तीनी भी घायल हुए हैं। इजराइल सरकार के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में नई बस्तियां बसाने का काम तेजी से आगे बढ़ा रहा है, जिसके बीच यह हिंसा हुई है। इजराइल की सेना ने बताया कि इमारतों और संपत्तियों में आगजनी करने व इलाके में अशांति फैलाने वाले इजराइली नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है लेकिन कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है, यह सूचना नहीं दी गई और न ही यह बताया कि मामले की जांच शुरू की गई है या नहीं।

ईरान में पिछले साल हिरासत में लिया गया जापानी नागरिक रिहा : जापान के विदेश मंत्री

» तोक्यो, भाषा।

जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को बताया कि ईशन में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है। मोतेगी ने फूजी टेलीविजन के एक टॉक शो में कहा कि यह व्यक्ति पिछले साल से हिरासत में था और उसे बुधवार को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया एक अन्य जापानी नागरिक अब भी हिरासत में है।

कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) ने कहा है कि जो व्यक्ति ईरान में अब भी हिरासत में है वह जापान के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता एनएचके का एक पत्रकार है। सीपीजे ने कहा कि एनएचके के पत्रकार को 20 जनवरी को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने गिरफ्तार किया था और उसे 23 फरवरी को एविन जेल भेज दिया गया। मोतेगी ने हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों में से किसी की भी पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि रिहा किए गए जापानी नागरिक को 2025 में हिरासत में लिया गया था।

जयशंकर भारत-रूस व्यापार और संपर्क व्यवस्था पर केंद्रित सम्मेलन को संबोधित करेंगे

मॉस्को, भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के उनके समकक्ष सर्गेई लावरोव सोमवार को डिजिटल तरीके से एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के विशेषज्ञ खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों से निपटने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे। मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) द्वारा आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ईरान का बंदर अंजली बंदरगाह मुंबई और सेंट पीटर्सबर्ग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करने वाले गलियारे पर स्थित प्रमुख बंदरगाह है। यह स्वेज नहर को दरकिनार करते हुए एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है। इस बंदरगाह को 18 मार्च को अमेरिका-इजराइल द्वारा किए गए मिसाइल हमले में नुकसान पहुंचा था। भारत और रूस दोनों ने इस गलियारे पर अपनी उम्मीदें टिका रखी हैं कि इससे द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर में नई दिल्ली में हुए शिखर सम्मेलन में सहमति जताई थी। रूस और भारत द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नए एजेंडे की ओर सम्मेलन दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का दूसरा प्रयास है।

सूडान स्थित अस्पताल में हमला होने से कम से कम 64 लोगों की मौत : डब्ल्यूएचओ

काहिरा, भाषा। सूडान के पश्चिमी दारफुर क्षेत्र में पिछले सप्ताह एक अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोग मारे गए, जिनमें 13 बच्चे शामिल थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस घेब्रेएसस ने बताया कि शुक्रवार को पूर्वी दारफुर के अल डेइन टीचिंग अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 89 लोग घायल हो गए और हमले के बाद अस्पताल सेवा देने योग्य नहीं रहा सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच सत्ता संघर्ष जारी है, जिससे पूरे देश में अराजकता की स्थिति है। आरएसएफ ने अस्पताल पर हुए हमले के लिए सेना को दोषी ठहराया है। सेना ने हमले से इनकार किया है, लेकिन दो सैन्य अधिकारियों ने बताया कि हमला पास के एक थाने को निशाना बनाकर किया गया था।

अमेरिका से एलपीजी रूस से क्रूड आया भारत

जल्द संकट दूर होने के बन गए आसार, सरकार ऐक्टिव

गैस-कच्चा तेल लेकर अब तक 5 जहाज भारत आ चुके

बेंगलुरु (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं रूस से एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडाणी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य एलपीजी कैरियर एलपीजी शिवालिक और एलपीजी नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है।

ईरानी नेवी ने होर्मुज पार कराया एलपीजी लदा भारतीय जहाज

ईरानी नेवी ने 13 मार्च की रात को एक भारतीय जहाज को सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट पार कराया था। एलपीजी लेकर आ रहा ये जहाज 10 दिन से फारस की खाड़ी में फंसा था। यह खबर ब्लूमबर्ग ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह काम भारत और ईरान के बीच बातचीत के बाद हुआ। जहाज को पहले से तय रास्ते से निकाला गया ताकि वह हमलों से बच सके। इस दौरान जहाज का ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिया गया था। हालांकि रिपोर्ट में इस जहाज का नाम नहीं बताया गया है। अभी तक दो भारतीय जहाज शिवालिक (16 मार्च) और नंदा देवी (17 मार्च) होर्मुज के रास्ते एलपीजी लेकर भारत पहुंचे हैं। वहीं फारस की खाड़ी में अभी भी 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं।

पश्चिम एशिया के हालात पर पीएम ने की बड़ी बैठक

शाह-नड्डा, पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद, गैस-तेल और ऊर्जा की स्थिति पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू, रेल और आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव समेत अन्य सीनियर लीडर मौजूद रहे।

उर्वरक क्षेत्रों से जुड़ी स्थिति की समीक्षा

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पेट्रोलियम, कच्चे तेल, गैस, बिजली और उर्वरक क्षेत्रों से जुड़ी स्थिति की समीक्षा करना था। इसके अलावा अधिकारियों को देश भर में इन जरूरी चीजों की निर्बाध आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने का भी निर्देश दिया गया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक सरकार देश भर में ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त कदम उठा रही है। पीएम से लेकर वरिष्ठ अधिकारी सभी इस मामले पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। देश में गैस और तेल की आपूर्ति निर्बाध होती रहे, इसी सिलसिले में कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से भी बात की थी। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने शांति, सुरक्षा और मुक्त व्यापार को लेकर बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत के दौरान ही खाड़ी क्षेत्रों के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हुए हमलों की निंदा भी की थी। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई ठीक नहीं है।

ईंधन संकट के बीच मोदी सरकार का मास्टरस्ट्रोक

रेस्तरां, ढाबों और कैंटीन के लिए बढ़ाया गैस आवंटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कमर्शियल एलपीजी का आवंटन 20 प्रतिशत बढ़ा दिया है। इससे कुल आवंटन

50 प्रतिशत हो गया है। आवंटन बढ़ाए जाने का सीधा लाभ रेस्तरां, ढाबों और कैंटीन जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को मिलेगा। घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण स्थिति सामान्य होने की ओर बढ़ रही है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण भारत की ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई। इसके चलते शुरुआत में होटल और रेस्तरां जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति में कटौती की गई, ताकि घरेलू रसोई में आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा सके। बाद में, 20 प्रतिशत आपूर्ति बहाल कर दी गई। कुछ दिनों बाद सरकार ने पाइपलाइन गैस (पीएनजी) परियोजनाओं में तेजी लाने की शर्त पर राज्यों को अतिरिक्त 10 प्रतिशत आवंटन की पेशकश की।

पाक में लश्कर कमांडर ढेर

ईद की नमाज के बाद मारा गया बिलाल अहमद सलाफी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत की जमीन पर हिंसा फैलाने वाले आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर की पाकिस्तान में हत्या कर दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, लश्कर कमांडर बिलाल आरिफ सलाफी को शनिवार को ईद की नमाज के बाद

चाकू और गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। बिलाल को मुरीदके में लश्कर के तबाह हो चुके मुख्यालय के पास मारा गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने लश्कर के इस आतंकी अड्डे को निशाना बनाया था। हत्या के पीछे की वजह का पता नहीं चल पाया है लेकिन सूत्रों का शक है कि यह किसी पारिवारिक विवाद का नतीजा हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि हत्या में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बिलाल आतंकवादी संगठन में अहम भूमिका निभाता था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com